लेखाशास्त्र

अध्याय-11: अपूर्ण अभिलेखों से खाते

SHIVOM CLASSES 8696608541

अपूर्ण अभिलेखों का अर्थ

अपूर्ण लेखा विधि का अर्थ (Meaning of Incomplete Record System)—वह लेखा पद्धति जो दोहरा लेखा पद्धति पर आधारित होती है लेकिन इसमें सभी लेन-देन का दोहरा लेखा नहीं किया जाता है, उसे अपूर्ण लेखा विधि या इकहरा लेखा विधि कहते हैं।इसे छोटे व्यापारियों द्वारा अपनाया जाता है ।इस पद्धति में लेखा पुस्तकों में केवल व्यक्तिगत खाते ही खाले जाते हैं, वस्तुगत तथा नाममात्र के खाते नहीं खाले जाते हैं।इस विधि में नकद लेन-देनों का लेखा करने के लिए रोकड़ बही भी रखी जाती है।अतः यह कहा जा सकता है कि खाते नहीं खाले जाते हैं।इस विधि में नकद लेन-देनों का लेखा करने के लिए रोकड़ बही भी रखी जाती है।अंतः यह कहा जा सकता है कि यह कोई अलग प्रणाली न होकर दोहरा लेखा प्रणाली का ही अपूर्ण रूप है।

ई. एल. कोहलर के अनुसार, "पुस्तपालन की वह प्रणाली जिसमें नियमानुसार केवल रोकड़ तथा व्यक्तिगत खातों का लेखा रखा जाता है, यह सर्वदा अपूर्ण दोहरा लेखा प्रणाली है जो स्थितियों के अनुसार परिवर्तित होती रहती है।"

कार्टर के अनुसार, "इकहरी लेखा प्रणाली लेन-देनों का लेखा करने की ऐसी पद्धति अथवा पद्धतियों का मिश्रण है जिसमें किसी लेन-देनों के दोनों पहलुओं का लेखा नहीं किया जाता, फलस्वरूप यह पद्धति व्यवसायी को ऐसी आवश्यक सूचनाएँ उपलब्ध नहीं करा पाती, जिनसे वह अपने व्यवसाय की स्थिति जान सके।"

अपूर्ण लेखों में लोभ की गणना का सूत्र

अपूर्ण लेखों में लोभ की गणना का सही सूत्र

दोहरा लेखा पद्धति तथा अपूर्ण लेखा पद्धति में अन्तर

(Difference between Double Entry. System and Incomplete. Record System)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

आधार (Basis)	दोहरा लेखा पद्धति (Double Entry System)	अपूर्ण लेखा पद्धति (Incomplete Record System)
सिद्धान्त (Principles)	यह दोहरा लेखा सिद्धान्त तथा निश्चित मान्यताओं पर आधारित है।	यह किसी गणना या सिद्धान्त पर आधारित नहीं है।
खाते (Accounts)	इसमें व्यक्तिगत, वास्तविक तथा नाममात्र तीनों ही प्रकार के खाते तैयार किये जाते हैं।	इसमें रोकड़ बही तथा व्यक्तिगत खाते ही तैयार किये जाते हैं।
प्रयोग (Use)	इस पद्धति का प्रयोग व्यापक रूप से किया जाता है।	इसका प्रयोग केवल छोटे व्यापारी ही करते है।
प्रविष्टियाँ (Entries)	इस पद्धति में सभी लेन-देनों की दो प्रविष्टियाँ की जाती हैं।	इस पद्धति में कुछ लेन-देनों की दो, कुछ की एक प्रविष्टि की जाती है तथा कुछ लेन-देनों का लेखा ही नहीं किया जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

व्यवसाय का मूल्यांकन (Valuation of Business)	इस पद्धति में व्यापार बेचने पर मूल्यांकन करना सरल होता है।क्योंकि सभी लेखे पूर्ण रूप से किये जाते हैं।	इसमें अनुमान से ही व्यापार का मूल्यांकन किया जाता है।
तलपट (Trial Balance)	इसमें तलपट बनाकर खातों की गणितीय शुद्धता जाँच ली जाती है।	इसमें तलपट नहीं बनाया जाता है।
शुद्ध लाभ/हानि (Net Profit/Loss)	इसमें लाभ-हानि खाता बनाकर शुद्ध लाभ/हानि की गणना की जा सकती है।	इसमें शुद्ध लाभ/ हानि की गणना ठीक प्रकार करना सम्भव नहीं है।
वित्तीय-स्थिति (Financial Position)	इसमें चिट्ठी खातों के आधार पर बनाया जाता।है जिससे वह सही आर्थिक स्थिति बताता है ।	इसमें स्थिति-पत्रक अनुमान एवं स्मरण के आधार पर बनाया जाता है ।अतः यह चिट्टे के समान विश्वसनीय नहीं होता है।
प्रमाणिकता (Authenticity)	यह न्यायालय एवं कर विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त है।	यह मान्यता प्राप्त नहीं है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

समायोजन (Adjustment)	इसमें समायोजन प्रविष्टि करके अन्तिम खाते बनाते समय समायोजन किये जाते हैं।	इसमें समायोजन प्रविष्टियाँ नहीं की जाती हैं।लेकिन अन्तिम खातों में कुछ समायोजन किये जा सकते हैं।

अपूर्ण लेखों की अपूर्णता के दो कारण

- छोटे व्यापारियों के पास आय के सीमित साधन होना ।
- दोहरा लेखा पद्धति के ज्ञान का अभाव होना।

अपूर्ण लेखा विधि के दोष

कुछ विद्वान अपूर्ण लेखा प्रणाली को इकहरा लेखा प्रणाली भी कहते हैं किन्तु ऐसा कहना ठीक नहीं है क्योंकि अपूर्ण लेखों में कुछ व्यवहारों का दोहरा लेखा होता है, कुछ का लेखा केवल एक पक्ष में ही होता है तथा कुछ का तो बिल्कुल लेखा होता ही नहीं है।वास्तव में यह लेखा रखने की एक अपूर्ण, अशुद्ध एवं अवैज्ञानिक पद्धति है।

अपूर्ण लेखा विधि के दोष (Demerits of Incomplete Record System)

अपूर्ण लेखा विधि के दोष या कमियाँ निम्नलिखित हैं-

- अपूर्ण एवं अवैज्ञानिक इस प्रणाली में लेखी करने का कोई निश्चित सिद्धान्त नहीं है इसलिए सभी लेन-देनों का पूर्ण लेखा नहीं हो पाता है।अतः यह अपूर्ण एवं अवैज्ञानिक प्रणाली है।।
- नियोजन एवं नियन्त्रण के लिए अनुपयुक्त इस पद्धति में सभी लेन-देनों का लेखा नहीं किया जाता है।अतः यह भविष्य के लिए नियोजन तथा नियन्त्रण हेतु अनुपयुक्त प्रणाली है।
- व्यापार के मूल्यांकन में कठिनाई व्यापार का विक्रय करने तथा ख्याति का मूल्यांकन करने में इस प्रणाली के द्वारा लेखे रखने पर कठिनाई होती है, क्योंकि इसमें क्रेता को विश्वास दिलाने का कोई आधार नहीं होता है।
- गबन की सम्भावना इस पद्धति से लेखा रखने पर गबन की संभावना बनी रहती है क्योंकि इसमें सम्पत्तियों का व्यवस्थित लेखा नहीं रखा जाता है।

SHIVOM CLASSES 8696608541.

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- तुलनात्मक अध्ययन का अभाव इस प्रणाली में अपूर्ण लेखा होने के कारण पिछले वर्षों के अपने लाभों तथा अन्य फर्मों के लाभों का तुलनात्मक अध्ययन नहीं किया जा सकता है।
- सम्पत्तियों के प्रतिस्थापन में कठिनाई इस प्रणाली में ह्रास की कोई व्यवस्था नहीं की जाती है। अतः सम्पत्तियों के प्रतिस्थापन के समय धन की समस्या उत्पन्न हो जाती है।
- मान्यता का अभाव क्योंकि इस प्रणाली से रखे गये लेखों का अंकेक्षण नहीं किया जा सकता है। अत: यह आयकर, बिक्री कर, न्यायालय तथा वित्तीय संस्थाओं में अमान्य है ।
- आन्तरिक जाँच सम्भव नहीं इस प्रणाली में लेखों की आन्तरिक जाँच सम्भव नहीं हो पाती है। अतः इसमें अशुद्धियों एवं छलकपट की सम्भावना हमेशा बनी रहती है।
- तलपट बनाना असम्भव इस प्रणाली में लेने-देने के दोनों पक्षों का पूर्ण लेखा नहीं किया जाता है। अतः तलपट बनाकर लेखों की गणितीय शुद्धता की जाँच नहीं की जा सकती है।
- शुद्ध लाभ-हानि की गणना सम्भव नहीं इस प्रणाली में व्यापार से अर्जित शुद्ध लाभ/हानि की गणना सम्भव नहीं हो पाती है क्योंकि कुछ सूचनाएँ केवल अनुमान के आधार पर ज्ञात की जाती हैं।
- अन्तिम खाते बनाना कठिन इस प्रणाली में वास्तविक खातों का उचित प्रकार से लेखा नहीं रखा जाता है इसलिए आर्थिक चिट्ठा बनाकर व्यवसाय की आर्थिक स्थिति का आंकलन नहीं किया जा सकता है।

अपूर्ण लेखों से अन्तिम खाते तैयार करते समय की प्रक्रिया

व्यापार के लेखे चाहे किसी भी पद्धति से क्यों न रखे जायें लेकिन वर्ष के अन्त में व्यवसाय की स्थिति की जानकारी एवं लाभ-हानि का ज्ञान प्राप्त करने हेतु अन्तिम खाते अवश्य बनाये जाते हैं। अपूर्ण लेखाविधि में स्थिति विवरण के स्थान पर स्थिति-पत्रक (Statement of Affairs) बनाया जाता है। स्थिति विवरण की तरह ही स्थिति-पत्रक के भी दो पक्ष होते हैं। इसमें विभिन्न मदों को सम्पत्ति एवं दायित्व पक्ष में लिखा जाता है। इसमें रोकड़ शेष, बैंक शेष, लेनदार, देनदार, प्राप्य बिल, देय बिल, अन्तिम रहतिया, अदत्त व्यय, उपार्जित आय, स्थायी सम्पत्तियों आदि की गणना रोकड़ बही से प्राप्त शेष तथा पिछले स्थिति-पत्रक से प्राप्त शेष एवं चालू वर्ष के लेन-देनों को ध्यान में रखकर की जाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

इस प्रकार सम्पत्ति एवं दायित्व पक्ष की मदों को लिखने के बाद दोनों पक्षों का अलग-अलग योग कर लिया जाता है।दोनों पक्षों के योग में आने वाला अन्तर पूँजी की स्थिति को प्रदर्शित करता है।

अपूर्ण लेखों से लाभ-हानि ज्ञात करना – अपूर्ण लेखों से लाभ-हानि ज्ञात करने की दो विधियाँ हैं

1. प्रारम्भिक एवं अन्तिम पूँजी की तुलना करके अपूर्ण लेखा प्रणाली में लाभ-हानि ज्ञात करने के लिए वर्ष के अन्त की पूँजी तथा वर्ष के प्रारम्भ या पिछले वर्ष के अन्त की पूँजी ज्ञात करने के पश्चात् वर्ष का लाभ-हानि ज्ञात करने का पत्रक (Statement of Profit and Loss) तैयार कर लिया जाता है।

इसका प्रारूप निम्न प्रकार का होता है-

Particulars	Amount
	₹
Closing Capital	.....
Add : Drawings	.....
Add : Capital Withdrawn	.....
Less : Additional Capital	.....
Adjusted Capital	.....
Less : Opening Capital	.....
Profit or Loss for the year	.....

2. अन्तिम खाते तैयार करना –

अपूर्ण लेखा प्रणाली के अनुसार लेखा रखने वाले व्यापारी रोकड़ बही आवश्यक रूप से तैयार करते हैं।वर्ष के अन्त में इसकी सारांश तालिका बना ली जाती है।इस विधि के अनुसार व्यापारिक व लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठा बनाने के लिए जो मदें ज्ञात नहीं होती हैं उन्हें विभिन्न खाते या विवरण बनाकर ज्ञात कर लिया जाता है।तत्पश्चात् नियमित व्यापारिक एवं लाभ-हानि खाता (Trading & Profit-Loss Ac) तथा स्थिति विवरण (Balance Sheet) तैयार कर लिये जाते हैं।

प्रत्येक प्रश्न में कौन-कौन से खाते एवं विवरण अज्ञात मदें ज्ञात करने के लिए बनाये जायेंगे, इसको निर्धारित करना कठिन कार्य है क्योंकि यह व्यापारी द्वारा तैयार किये लेखों की अपूर्णता एवं लेखापाल की कार्यकुशलता तथा अनुमान पर निर्भर करता है फिर भी कुछ प्रमुख खाते या विवरण निम्नलिखित हैं

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

- प्राप्य बिल खाता
- कुल देनदार खाता
- कुल लेनदार खाता
- देय बिल खाता
- नकद क्रय-विक्रय ज्ञात करना।
- कुल विक्रय ज्ञात करना ।
- स्कन्ध खाता
- वर्ष के प्रारम्भ का स्थिति विवरण
- स्थायी सम्पत्ति खाता
- प्राप्ति एवं भुगतान खाता आदि

विट्ठल अपनी पुस्तकें अपूर्ण लेखा पद्धति पर रखता है।वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2015 को उसकी पूँजी Rs 2,00,000 की थी।उस वर्ष में उसके आहरण Rs 25,000 थे।वर्ष के प्रारम्भ में विट्ठल की पूँजी ज्ञात कीजिए।

उत्तर:

Capital at the end	2,00,000
Add : Drawings	25,000
Capital at the Beginning	2,25,000

'अ' अपने लेखे अपूर्ण रखता है।1 अप्रैल, 2016 को उसका रोकड़ शेष Rs 30,000, देनदार Rs 45,000 तथा लेनदार Rs 15,000 थे।31 मार्च, 2017 को उसका रोकड़ शेष Rs 45,000, देनदार Rs 37,500 तथा लेनदार Rs 30,000 थे।उसका वर्ष 2016-17 का अर्जित लाभ ज्ञात कीजिए।

उत्तर-

Opening Capital = Assets – Liabilities

= (30,000 + 45,000) – 15,000 = Rs 60,000

Closing Capital = (45,000 + 37,500) – 30,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

= 82,500 – 30,000 = Rs 52,500

Profit/Loss = Closing Capital – Opening Capital

= 52,500 – 60,000 = Rs 7,500 (Loss)

1 जनवरी, 2016 को मि. एक्स के देनदार Rs 60,000 थे।वर्ष के दौरान कुल बिक्री Rs 1,20,000 थी जिसमें Rs 15,000 की नकद बिक्री शामिल थी।वर्ष के दौरान देनदारों से Rs 90,000 प्राप्त हुए तथा Rs 3,000 बट्टा स्वीकृत किया।वर्ष के अन्त में देनदारों की राशि ज्ञात कीजिए।

उत्तर-

Closing Debtors = 60,000 + 1,05,000 – 90,000 – 3,000

= Rs 72,000

निम्नलिखित सूचनाओं से कुल क्रय की राशि ज्ञात कीजिए।

लेनदारों का प्रारम्भिक शेष Rs 60,000 तथा अन्तिम शेष Rs 1,00,000, वर्ष में लेनदारों को भुगतान की गई राशि के Rs 1,20,000 तथा नकद क्रय की राशि Rs 20,000 ।।उत्तर-

Credit Purchase = (1,00,000 + 1,20,000) – 60,000 = Rs 1,60,000

Total Purchase = Cash Purchase + Credit Purchase

= 20,000 + 1,60,000 = Rs 1,80,000

एक व्यापारी की पुस्तकें निम्नलिखित सूचनाएँ प्रकट करती हैं

क्रय-Rs 25,000, विक्रय-Rs 30,000 तथा अन्तिम स्टॉक- Rs 5,000 है।यदि उसका सकल लाभ बिक्री पर 10% हो तो उसके प्रारम्भिक स्टॉक की राशि की गणना कीजिए।

उत्तर-

Trading A/c

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	Amount	Particulars	Amount
	₹		₹
To Purchase	25,000	By Sales	30,000
To Gross Profit $\left(30,000 \times \frac{10}{100}\right)$	3,000	By Closing Stock	5,000
To Opening Stock (Balancing Figure)	7,000		
	35,000		35,000

निम्नलिखित विवरणों से उधार विक्रय की राशि ज्ञात कीजिए।

देनदारों का प्रारम्भिक शेष–Rs 50,000, देनदारों का अन्तिम शेष- Rs 60,000, देनदारों से प्राप्त रोकड़-Rs 1,50,000, देनदारों को बट्टा दिया–Rs 10,000।

उत्तर-

Credit Sales = (60,000 + 1,50,000 + 10,000) – 50,000

= Rs 1,70,000

एक व्यापारी की अपूर्ण लेखा पुस्तकों से ज्ञात हुआ कि वर्ष के दौरान उसका नकद क्ल Rs 24,000 तथा उधार क्रय Rs 60,000 था।उसके लेनदारों को प्रारम्भिक शेष Rs 21,000 तथा अन्तिम शेष Rs 30,000 था।वर्ष में लेनदारों को भुगतान की गई राशि ज्ञात कीजिए।

उत्तर-

Cash Paid to Creditors = (60,000 + 21,000) – 30,000

= Rs 51,000

आकाश अपने व्यापार के अपूर्ण लेखे रखता है।वर्ष के प्रारम्भ में उसकी पूँजी Rs 1,00,000 थी।वर्ष के अन्त में सम्पत्तियों का दायित्वों पर आधिक्य Rs 2,00,000 था।वर्ष के दौरान उसने Rs 50,000 की अतिरिक्त पूँजी लगाई तथा Rs 2,500 प्रतिमाह आहरण किए।वर्ष 2016-17 के लाभ की गणना कीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर-

Statement of Profit and Loss.

Particulars	Amount
	₹
Capital at the end of Year	2,00,000
Add : Drawings During the Year (2,500 × 12)	30,000
	2,30,000
Less : Additional Capital	50,000
Adjusted Capital	1,80,000
Less : Capital at the Beginning of Year	1,00,000
Profit for the Year	80,000

वर्ष के दौरान देनदारों को प्रारम्भिक शेष–Rs 13,000, देनदारों से प्राप्त नकद राशि-Rs 35,000, स्वीकृत बट्टा–Rs 500, प्राप्य विपत्र-Rs 15,000, डूबत ऋण अपलिखित किए-Rs 2,500 तथा देनदारों का अन्तिम शेष–Rs 25,000 ।वर्ष की उधार विक्रय की राशि ज्ञात कीजिए

उत्तर-

Credit Sales = (35,000 + 500 + 15,000 + 2,500 + 25,000) – 13,000

= 78,000 – 13,000

= Rs 65,000

एक व्यापारी की प्रारम्भिक पूँजी Rs 90,000 तथा वर्ष के अन्त की पूँजी Rs 1,12,500 है।यदि उस वर्ष का अनुमानित लाभ Rs 27,000 हो तो वर्ष में उसके आहरण की राशि ज्ञात कीजिए।

उत्तर-

Drawings = (90,000 + 27,000) – 1,12,500

= 1,17,000 – 3,12,500

= Rs 4,500

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लेखों की अपूर्णता के कोई चार कारण

- सीमित साधन छोटे व्यापारियों के साधन सीमित होते हैं।वे लेखा करने के लिए विशेषज्ञों की नियुक्ति नहीं कर सकते तथा स्वयं ही लेखे कर लेते हैं।
- अज्ञानता-छोटे व्यापारी दोहरा लेखा प्रणाली की जानकारी न होने के कारण भी इसका पूरी तरह से प्रयोग नहीं कर पाते हैं।
- आकस्मिक घटना के कारण यदि व्यापार में कोई आकस्मिक घटना,जैसे—आग लगना, भूकम्प आना,बाढ़ आना आदि हो जाये तो प्रमाण नष्ट हो जाने के कारण लेखे भी अपूर्ण रह जाते हैं।
- आर्थिक स्थिति छिपाने के लिए कुछ चतुर व्यापारी अपनी आर्थिक स्थिति को अन्य व्यापारियों, कर अधिकारियों, लेनदारों आदि से छिपाने हेतु भी इस पद्धति का प्रयोग करते हैं।

31 मार्च, 2017 को एक फुटकर व्यापारी की वर्ष के अन्त में व्यापारिक स्थिति इस प्रकार थी

रोकड़ शेष–Rs 3,000, स्टॉक-Rs 5,000, देनदार Rs 6,000, लेनदार Rs 4,500 ।वर्ष में उसने व्यापार से Rs 3,500 आरित किये तथा Rs 4,000 की अतिरिक्त पूँजी लगाई।वर्ष के अन्त में समायोजित पूँजी की गणना कीजिए।

उत्तर-

Statement of Affairs

(As on 31st March, 2017)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Creditors	4,500	Cash	3,000
Capital at the end of Year	9,500	Stock	5,000
(Balancing Figure)		Debtors	6,000
	14,000		14,000

Statement of Profit and Loss

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(for the year ending 31st March, 2017)

Particulars	Amount
	₹
Capital at the end of Year	9,500
Add : Drawings During the Year	3,500
	13,000
Less : Additional Capital	4,000
Adjusted Capital	9,000
Less : Profit for the Year	—
Capital at the Beginning of Year	9,000

एक व्यापारी के अपूर्ण लेखों से प्राप्त सूचनाओं से 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिए उसके कुल क्रय एवं लाभ ज्ञात कीजिए।सूचनाएँ निम्नलिखित हैं

प्रारम्भिक स्टॉक Rs 30,000, अन्तिम स्टॉकर Rs 24,000, नकद बिक्री Rs 18,000, उधार विक्री Rs 1,08,000, क्रय मूल्य पर लाभ का प्रतिशत 20% ।

Trading A/c

Particulars	Amount	Particulars		Amount
	₹			₹
To Opening Stock	30,000	By Sales		
To Purchase	1,00,000	Cash	18,000	
To Gross Profit	20,000	Credit	1,08,000	1,26,000
		Closing Stock		24,000
	1,50,000			1,50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

कार्यशील टिप्पणी— माना क्रय मूल्य = ₹x

$\therefore$ लाभ = x का 20%

$= \frac{20x}{100} = \frac{x}{5}$

प्रश्नानुसार, $x + \frac{x}{5} = 1,50,000 - 30,000$

$\frac{6x}{5} = 1,20,000$

$x = 1,20,000 \times \frac{5}{6} = ₹1,00,000$

$\therefore$ क्रय = ₹1,00,000

लाभ = $1,00,000 \times \frac{20}{100} = ₹20,000.$

आकाश अपने व्यवहारों का अपूर्ण लेखा रखता है।1 अप्रैल 2016 को उसको रोकड़ शेष था Rs 10,000, देनदार, Rs 40,000, स्टॉक, Rs 60,000, फर्नीचर, Rs 20,000, लेनदार Rs 30,000।31 मार्च, 2017 को उसका रोकड़ शेष Rs 30,000, देनदार Rs 80,000, स्टॉक Rs 1,00,000, लेनदार Rs 60,000 के थे।वर्ष में उसने Rs 10,000 का फर्नीचर खरीदा।फर्नीचर पर Rs 2,000 मूल्य ह्रास लगाया गया।वर्ष के दौरान उसने Rs 4,000 का आहरण किया।उपर्युक्त सूचनाओं से उसका वर्ष 2016-17 का लाभ का विवरण तैयार कीजिए।

Statement of Affairs

(As on 1st April, 2016)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Creditors	30,000	Cash in Hand	10,000
Capital	1,00,000	Debtors	40,000
(Balancing Figure)		Stock	60,000
		Furniture	20,000
	1,30,000		1,30,000

Statement of Affairs

(As on 31 March, 2017)

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount	Assets		Amount
	₹			₹
Creditors	60,000	Cash in Hand		30,000
Capital		Debtors		80,000
(Balancing Figure)	1,78,000	Stock		1,00,000
		Furniture	30,000	
		Less : Depreciation	2,000	28,000
	2,38,000			2,38,000

Statement of Profit and Loss

(for the year ended 31st March, 2017)

Particulars	Amount
	₹
Capital at the end of Year	1,78,000
Add : Drawings	4,000
Adjusted Capital	1,82,000
Less : Capital at the Beginning of Year	1,00,000
Profit for the year	82,000

एक छोटा व्यापारी एकमात्र डायरी रखता है जिसमें सम्पत्तियों, दायित्वों एवं व्यक्तिगत व्ययों के ही विवरण उपलब्ध हैं।किसी वर्ष के लिए आप उसका लाभ अथवा हानि किस प्रकार ज्ञात करेंगे ? काल्पनिक अंकों का प्रयोग करते हुए अपने उत्तर को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

उत्तर-

यदि एक छोटा व्यापारी केवल एक डायरी रखता है जिसमें उसके व्यापार से सम्बन्धित सम्पत्तियों, दायित्वों एवं उसके व्यक्तिगत व्ययों से सम्बन्धित विवरण उपलब्ध हैं तो ऐसी स्थिति में सर्वप्रथम व्यापार का लाभ-हानि ज्ञात करने के लिए प्रारम्भिक व अन्तिम स्थिति पत्रक तैयार किया जाता है जिसके आधार पर प्रारम्भिक और अन्तिम पूँजी की तुलना करके व्यापार का लाभ-हानि ज्ञात कर लेते हैं।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उदाहरण – किशन अपनी पुस्तकें इकहरा लेखा पद्धति पर रखता है ।निम्नलिखित विवरण से लाभ/हानि दिखाने के लिए वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2017 को उसके द्वारा एक विवरण तैयार किया गया।

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Sundry Creditors	1,700	Sundry Debtors	20,000
Bank Overdraft	500	Stock	12,000
Opening Capital (Balancing Figure)	33,300	Furniture	2,000
		Cash in Hand	1,500
	35,500		35,500

वर्ष के दौरान किशन व्यवसाय में Rs 6,000 की अतिरिक्त पूँजी लाया तथा उसने वर्ष में व्यवसाय से Rs 2,000 निकाले ।।

(During the year Kishan introduced Rs 6,000 a further capital in the business and withdrawn Rs 2,000 in the year.).

Statement of Affairs of Kishan

(As on 31st March, 2016)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Affairs of Kishan
(As on 31st March, 2017)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Sundry Creditors	1,300	Sundry Debtors	23,000
Bank Overdraft	2,500	Stock	15,000
Opening Capital (Balancing Figure)	40,200	Furniture	4,000
		Cash in Hand	2,000
	44,000		44,000

Statement of Profit and Loss
(for the year ended 31st March, 2017)

Particulars	Amount
	₹
Closing Capital	40,200
Add : Drawings	2,000
	42,200
Less : Further Capital Introduced	6,000
Adjusted Capital	36,200
Less : Opening Capital	33,300
Profit for the Year	2,900

31 मार्च, 2017 को सोहन की पूँजी Rs 37,400 है, जबकि 1 अप्रैल, 2016 को उसकी पूँजी Rs 38,400 थी।उसने बताया कि इस वर्ष में उसने Rs 7,000 का ऋण उसके भाई को निजी खाते में दिया तथा Rs 600 प्रतिमाह घरेलू व्यय हेतु व्यापार से निकाले ।वह एक मकान स्वयं के रहने हेतु प्रयोग में लेता है जिसका किराया Rs 200 प्रतिमाह तथा बिजली व्यय की औसत राशिर 20 प्रतिमाह व्यवसाय खाते में से देता है।उसने एक बार अपना Rs 4,000 की लागत का स्कूटर Rs 400 प्रीमियम पर बेचकर इस राशि को व्यवसाय में ही विनियोजित कर दिया।इसके अतिरिक्त अन्य कोई भी सूचना उपलब्ध नहीं है।आपको लाभ प्रदर्शित करते हुए एक विवरण तैयार करना है।

Statement of Profit

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	Amount
	₹
Capital at the end of Year	37,400
Add : Drawings During the Year (7,000 + 7,200 + 2,400 + 240)	16,840
	54,240
Less : Additional Capital Introducing During the Year (4,000 + 400)	4,400
Adjusted Capital	49,840
Less : Capital at the beginning of year	38,400
Profit for the Year	11,440

कार्यशील टिप्पणी—

1. वर्ष के दौरान कुल आहरण की राशि—

निजी खाते पर भाई को ऋण	7,000
घरेलू व्यय (600 × 12)	7,200
मकान किराया (200 × 12)	2,400
बिजली व्यय (20 × 12)	240
	16,840

वर्ष के दौरान लगाई गई अतिरिक्त पूँजी

स्कूटर की बिक्री से प्राप्त राशि (4,000 + 400) = Rs 4,400

राजेश ने एक जुलाई, 2015 को Rs 30,000 की पूँजी से व्यापार प्रारम्भ किया जिसे इस कार्य के लिए खोले गये बैंक खाते में जमा करा दिया गया।इसी दिन उसने Rs 19,500 का स्टॉक और Rs 6,000 का फर्नीचर खरीदा।अपूर्ण लेखों के आधार पर रखी उसकी पुस्तकों में एक रोकड़ बही और एक खाता बही थी और उसके व्यापार तथा निजी, दोनों मामलों से सम्बन्धित समस्त प्राप्तियाँ एवं भुगतान रोकड़ बही में लिखे जाते थे।30 जून, 2016 को स्टॉक का मूल्यांकन Rs 24,300 पर किया गया।खाताबही के अनुसार Rs 10,350 के देनदार थे, जिनमें से Rs 2,250 के अप्राप्य (डूबत) थे।खाता बही के अनुसार लेनदार Rs 14,520 के थे और रोकड़ बही Rs 5,040 का शेष बताती थी लेकिन पास बुक के अनुसार राजेश के केवल Rs 2,040 जमा थे।उसने Rs 3,000 अपने पुत्र को उधार दिये थे, लेकिन रोकड़ बही में उसे लिखना भूल गया था।राजेश के निजी चे वर्ष में Rs 4,500 थे और इसके अतिरिक्त उसने अपनी दुकान से Rs 1,500 का माल काम में लिया।30 जून 2016 को फर्नीचर का Rs 7,500 पर मूल्यांकन किया गया।उसने वर्ष के दौरान उन पर Rs

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

1,500 और खर्च किये।इस सूचना से वर्ष 2015-16 के लिए व्यापार में राजेश का लाभ अथवा हानि दर्शाते हुए एक विवरण पत्र बनाइये।

Statement of Affairs

(As on 30 June, 2016)

Liabilities	Amount	Assets		Amount
	₹			₹
Creditors	14,520	Bank Balance		2,040
Capital	27,420	Debtors	10,350	
(Balancing Figure)		*Less* : Bad Debts	2,250	8,100
		Stock		24,300
		Furniture		7,500
	41,940			41,940

Statement of Profit
(for the year ending 30 June, 2016)

Particulars	Amount
	₹
Capital at the end of Year	27,420
Add : Drawings (3,000 + 4,500 + 1,500)	9,000
Adjusted Capital	36,420
Less : Capital at the Beginning of Year	30,000
Profit for the Year	6,420

कार्यशील टिप्पणी :

वर्ष के दौरान कुल आहरण की राशि–	₹
पुत्र को उधार दी गई राशि	3,000
निजी खर्च	4,500
निजी उपयोग के लिए माल	1,500
	9,000

अजय अपनी पुस्तकें दोहरा प्रविष्टि के अनुसार नहीं रखता है।1 अप्रैल, 2016 को उसकी स्थिति निम्न प्रकार थी

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(Ajay does not keep his books according to double entry system. On 1st April, 2016 his position was as follows)

	Amount (₹)		Amount (₹)
Creditors	33,000	Cash at Bank	4,800
Capital	39,750	Stock in Trade	30,000
		Debtors	12,750
		Furniture	2,700
		Plant and Machinery	22,500
	72,750		72,750

30 जून, 2016 को उसकी स्थिति इस प्रकार थी

(On 30th June, 2016 his Position was follows).

वर्ष के दौरान अजय ने Rs 7,500 की अतिरिक्त पूँजी लगाई तथा Rs 1,125 प्रतिमाह आहरण किये।उपर्युक्त सूचना से 30 जून 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए लाभ ज्ञात कीजिये।

(During the year Ajay introduced additional capital amounted to Rs 7,500 and his drawings were Rs 1,125 per month. From the above particulars ascertain bis Profit for the year ended 30 June, 2016)

उत्तर:

Statement of Affairs

(As on 30 June, 2016)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Creditors	43,500	Cash at Bank	3,750
Capital	52,500	Stock in Trade	28,500
(Balancing Figure)		Debtors	21,000
		Plant and Machinery	40,500
		Furniture	2,250
	96,000		96,000

Statement of Profit
(for the year ending 30th June, 2016)

Particulars	Amount (₹)
Capital at the end of Year	52,500
Add : Drawings during the Year (1,125 × 12)	13,500
	66,000
Less : Additional Capital	7,500
Adjusted Capital	58,500
Less : Capital at the Beginning of Year	39,750
Profit for the Year	18,750

रामनाथ अपने व्यवहारों के अपूर्ण लेखे रखता है। 1 अप्रैल, 2016 को उसकी स्थिति निम्न प्रकार थी

वर्ष में रामनाथ ने Rs 20,000 नकद तथा Rs 9,000 का माल निकाला तथा Rs 20,000 अतिरिक्त पूँजी के लगाये। 31 मार्च, 2017 को उसकी स्थिति इस प्रकार थी

वर्ष के दौरान Rs 4,000 पुस्तक मूल्य के विनियोग Rs 4,800 में बेच दिये गये तथा एक नई मशीन Rs 15,000 में खरीदी गई। वर्ष में Rs 1,500 का एक टाइपराइटर भी खरीदा गया ।

वर्ष 2016-17 के लिए

(i)प्रारम्भ का स्थिति विवरण,

(ii)अन्त का स्थिति विवरण; तथा

(iii)आयगत लाभ या हानि दिखाते हुए एक विवरण तैयार कीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

[संकेत वर्ष की कुल हानि Rs 72,900 में वर्ष में विनियोगों के बेचने से हुए Rs 800 पूँजीगत लाभ के प्रभाव को हटा देंगे तो आयगत हानि Rs 73,700 होगी]

Statement of Affairs

(As on 1st April, 2016)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Bills Payable	28,000	Cash in hand	15,000
Creditors	50,000	Investment	30,000
Capital	1,88,000	Office Premises	30,000
(Balancing Figure)		Plant and Machinery	40,000
		Furniture	7,000
		Stock	24,000
		Debtors	1,20,000
	2,66,000		2,66,000

(ii) Statement of Affairs

(As on 31st March, 2017)

Liabilities	Amount	Assets	Amount
	₹		₹
Creditors	1,01,000	Cash in hand	12,000
Bills Payable	32,000	Investment	26,000
Capital	1,06,100	Office Premises	27,000
(Balancing Figure)		Plant and Machinery	48,000
		Furniture	6,600
		Stock	18,000
		Debtors	1,00,000
		Typewriter	1,500
	2,39,100		2,39,100

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(iii) Statement of Profit or Loss

(for the year ending 31st March, 2017)

Particulars	Amount
	₹
Capital at the end of year	1,06,100
Add : Drawings during the Year (20,000 + 9,000)	29,000
	1,35,100
Less : Additional Capital	20,000
Adjusted Capital	1,15,100
Less : Capital at the Beginning of Year	1,88,000
Loss for the Year (Total Loss)	(72,900)
Less : Capital Profit (Profit on Sale of Investment)	(800)
Revenue Loss for the Year	(73,700)

1 अप्रैल, 2016 को X की स्थिति इस प्रकार थी

(The position of X on 1st April, 2016 as follows)

	Amount (₹)		Amount (₹)
Capital	12,000	Goodwill	3,090
Profit Undrawn	5,805	Furniture	2,335
Sundry Creditors	1,535	Stock in Trade	4,000
		Sundry Debtors	7,805
		Cash at Bank	2,110
	19,340		19,340

31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष में व्यापार के खाते अपूर्ण ढंग से लिखे गये थे, लेकिन उसके बैंक व्यवहारों का विश्लेषण निम्न तथ्य प्रकट करता था

(During the year ending 31st March, 2017 the accounts of the business had been recorded imperfectly but an analysis of his bank transactions disclosed the following)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	Amount (₹)		Amount (₹)
Balance	2,110	Payment to Creditors	15,060
Receipts from Customers	35,400	Payment for Rent	1,575
		Sundry Expenses	640
		Drawings	13,600
		Payment for Salaries	3,050
		Balance	3,585
	37,510		37,510

अन्तिम स्टॉक का मूल्यांकन Rs 6,000 पर किया गया।31 मार्च, 2017 को देनदारों की सूची का योग Rs 9,450 और लेनदारों ।की सूची का योग Rs 2,675 था।31 मार्च, 2017 को समाप्त हुए वर्ष के लिए व्यापार तथा लाभ-हानि खाता तथा उसी तारीख का चिट्ठा तैयार कीजिए।

(The closing stock was valued at Rs 6,000, and a schedule of debtors totaled Rs 9,450 and that of creditors Rs 2,675 on 31st March, 2017. Prepare Trading and Profit and Loss account for the year ending 31st March, 2017 and a Balance sheet as on that date.)

Trading and Profit and Loss

(for the year ending 31st March, 2017)

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Particulars	Amount	Particulars	Amount
	₹		₹
To Opening Stock	4,000	By Sales	37,045
To Purchase	16,200	By Closing Stock	6,000
To Gross Profit c/d	22,845		
	43,045		43,045
To Salarie	3,050	By Gross Profit b/d	22,845
To Rent	1,575		
To Sundry Expenses	640		
To Net Profit	17,580		
(Transferred to Capital A/c)			
	22,845		22,845

Balance Sheet
(As on 31st March, 2017)

Liabilities		Amount	Assets	Amount
		₹		₹
Capital	12,000		Goodwill	3,090
Add : Net Profit	17,580		Furniture	2,335
	29,580		Stock in Trade	6,000
Less : Drawings	13,600	15,980	Sundry Debtors	9,450
Profit undrawn		5,805	Cash at Bank	3,585
Creditors		2,675		
		24,460		24,460

SHIVOM CLASSES 8696608541

कार्यशील टिप्पणी–1. उधार विक्रय की राशि की गणना

Total Debtors A/c

Particulars	Amount	Particulars	Amount
	₹		₹
To Balance b/d	7,805	By Cash Receipts	35,400
To Credit Sales	37,045	By Balance c/d	9,450
(Balancing Figure)			
	44,850		44,850

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

2. उधार क्रय की राशि की गणना

Total Creditors A/c

Particulars	Amount	Particulars	Amount
	₹		₹
To Cash Paid	15,060	By Balance b/d	1,535
To Balance c/d	2,675	By Credit Purchase (Balancing Figure)	16,200
	17,735		17,735

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 492 - 502)

लघु उत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 अपूर्ण खातों का अर्थ समझाइये।

उत्तर – अपूर्ण खाते-सामान्य अर्थ में, जो खाते अथवा लेखांकन अभिलेख द्विप्रविष्टि प्रणाली के अनुसार नहीं बनाये जाते, वे अपूर्ण खाते अथवा अपूर्ण अभिलेख कहलाते हैं।इसमें कुछ लेन-देनों का अभिलेखन उपयुक्त नाम (Dr.) एवं जमा (Cr.) मदों से किया जाता है जबकि कुछ लेन-देनों के लिए एक प्रविष्टि अथवा कोई भी प्रविष्टि नहीं की जाती है।प्रायः इस प्रणाली में रोकड़ एवं देनदारों तथा लेनदारों के व्यक्तिगत खाते तैयार किये जाते हैं।इसमें परिसम्पत्तियों, देयताओं, व्ययों तथा आगमों से सम्बन्धित अन्य सूचनाओं को आंशिक रूप से अभिलेखित किया जाता है।अतः इन्हें सामान्य तौर पर अपूर्ण खाते अथवा अपूर्ण अभिलेख कहते हैं।

प्रश्न 2 अपूर्ण खाते रखने के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – व्यापारियों द्वारा अपूर्ण खाते रखने के प्रमुख कारण निम्न हैं:

1. व्यापारियों द्वारा लेखांकन सिद्धांतों के ज्ञान के आभाव में यह प्रणाली अपनाई जाती है।
2. यह प्रलेखों के रख-रखाव की मितव्ययी विधि है।इसकी लागत कम होती है क्योंकि संस्थाओं द्वारा विशिष्ट लेखापालों की नियुक्ति की जाने की आवश्यकता नहीं होती है।
3. प्रलेखों के रख-रखाव के लिये कम समय लगता है क्योंकि केवल कुछ पुस्तकें बनाई जाती हैं।
4. प्रलेखों के रख-रखाव की सरल विधि होने के कारण अपूर्ण खाते रखे जाते हैं क्योंकि व्यापार के स्वामी द्वारा केवल आवश्यक सौदों को अभिलेखन किया जाता है।

प्रश्न 3 अवस्था विवरण तथा तुलन-पत्र के अंतर को स्पष्ट कीजिए।

उत्तर – अवस्था विवरण (Statement of Affairs) तथा तुलन-पत्र/चिट्ठे (Balance Sheet) में अन्तर निम्न प्रकार है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(1) स्रोत (Sources): अवस्था विवरण में कुछ सूचनाएँ तो हिसाब की पुस्तकों से ली जाती हैं तथा अन्य सूचनाएँ व्यापारी के अनुमान पर निर्भर करती हैं, जबकि तुलन-पत्र/चिट्ठा (Balance Sheet) व्यापारी की बहियों में खोले गये विभिन्न खातों के शेषों से तैयार किया जाता है।

(2) उद्देश्य (Objective): अवस्था विवरण बनाने का उद्देश्य पूँजी की जानकारी करना होता है जिसकी सहायता से लाभ ज्ञात किया जाता है जबकि तुलन-पत्र/चिट्ठा बनाने का उद्देश्य आर्थिक स्थिति की जानकारी प्राप्त करना होता है।

(3) शुद्धता (Accuracy): लेखे अपूर्ण होने के कारण अवस्था विवरण बनाते समय कोई मद लिखने से छूट सकती है परन्तु तुलन-पत्र/चिट्ठा दोहरा लेखा प्रणाली से बनाये जाने के कारण किसी मद के छूटने की सम्भावना नहीं रहती है।

(4) पूँजी ज्ञात करना (Ascertain Capital): अवस्था विवरण (Statement of Affairs) में पूँजी सम्पत्ति व दायित्व पक्ष के अन्तर से ज्ञात की जाती है जबकि तुलन-पत्र/चिट्ठे (Balance Sheet) में लिखी जाने पूँजी खाता बनाकर उसके शेष से ज्ञात की जाती है।

(5) यता (Reliability): यदि अवस्था विवरण (Statement of Affairs) में कोई सम्पत्ति लिखना भूल गए हैं तो पूँजी जितनी होनी चाहिए उससे कम.निकलेगी और अवस्था विवरण के दोनों पक्ष इसके विपरीत कोई दायित्व लिखना भूल गए हों तो पूँजी अधिक निकलेगी और दोनों पक्ष मिल जाते हैं।यदि तुलन पत्र/चिठे (Balance Sheet) में कोई सम्पत्ति या दायित्व लिखना भूल गए हैं तो इसकी जोड़ नहीं मिलेगी क्योंकि पूँजी दोनों पक्षों के अन्तर से ज्ञात नहीं की जाती है बल्कि पूँजी खाता बनाकर स्वतन्त्र रूप से ज्ञात की जाती है इसलिए तुलन-पत्र/चिट्ठा अधिक विश्वसनीय है।

(6) तलपट बनाना (Preparation of Trial Balance): अवस्था विवरण बनाने से पूर्व तलपट नहीं बनाया जाता जबकि तलन-पत्र/चिटठा बनाने से पूर्व तलपट बनाकर खतौनी की गणितीय शद्धता की जाँच की जाती है।

प्रश्न 4 एक व्यापारी द्वारा अपूर्ण खाते प्रलेख रखने से आने वाली व्यावहारिक कठिनाइयों का वर्णन कीजिए।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर – किसी व्यापारी द्वारा अपूर्ण खाते प्रलेख रखने पर प्रायः निम्नलिखित व्यावहारिक कठिनाइयाँ आती हैं:

1. अपूर्ण खाते प्रलेख रखने में द्वि-प्रविष्टि प्रणाली का पालन नहीं किया जाता है इसलिए इसमें गणितीय शुद्धता की जाँच नहीं हो पाती है।ऐसी स्थिति में तलपट भी तैयार नहीं किया जा सकता है।
2. व्यावसायिक क्रियाकलापों के वित्तीय परिणामों का मूल्यांकन और सही निर्धारण नहीं हो पाता है।
3. व्यवसाय की लाभप्रदता, तरलता और शोधन क्षमता का विश्लेषण नहीं किया जा सकता है।इस कारण से बाहरी स्रोतों से कोषों की व्यवस्था एवं भावी व्यावसायिक क्रियाओं के नियोजन में समस्या उत्पन्न होती है।
4. चोरी अथवा आगजनी के कारण स्टॉक में हानि की स्थिति में स्वामियों द्वारा बीमा कम्पनी से दावा करने में कठिनाई आती है।
5. गणना की गई आय की विश्वसनीयता के लिये आयकर अधिकारियों को संतुष्ट करना कठिन हो जाता है।

निबन्धात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 अवस्था विवरण से क्या आशय है? अवस्था विवरण की सहायता से एक व्यापारी द्वारा अर्जित लाभ या हानि का निर्धारण किस प्रकार करेंगे?

उत्तर – अवस्था विवरण (Statement of Affairs) से आशय-अवस्था विवरण वह विवरण है जिसमें एक निश्चित तिथि को व्यवसाय की परिसम्पत्तियों व दायित्वों का अनुमानित मूल्य दर्शाया जाता है।परिसम्पत्तियों व दायित्वों के अन्तर को पूँजी कहते हैं।अवस्था विवरण अपूर्ण लेखों की सहायता से तैयार किया जाता है।

यद्यपि अवस्था विवरण तुलन-पत्र के समतुल्य होता है किन्तु यह तुलन-पत्र नहीं है क्योंकि डाटा पूर्ण रूप से खाता शेष पर आधारित नहीं होते हैं।स्थायी परिसंपत्तियों, बकाया व्यय, बैंक शेष आदि मदों की राशि का निर्धारण प्रासंगिक दस्तावेजों और मौलिक गणना के आधार पर की जाती है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

अवस्था विवरण की सहायता से व्यापारी द्वारा अर्जित लाभ या हानि का निर्धारण-इस विधि में व्यापार के लाभ-हानि की गणना प्रारम्भिक पूँजी तथा वर्ष के अन्त की पूँजी की तुलना करके की जाती है।अन्य सूचनाओं के अभाव में सामान्यतः यह माना जाता है कि प्रारम्भ से अन्त की पूँजी बढ़ गई तो यह उस अवधि में कमाये गये लाभों के कारण है।यदि प्रारम्भ से अन्त की पूँजी कम हुई है तो वह व्यवसाय में हुई हानि का परिणाम है।

उदाहरणार्थ: जय की प्रारम्भिक पूँजी 4,20,000 रुपए है।जो वर्ष के अन्त में बढ़कर 5,60,000 रुपए हो जाती है तो यह माना जायेगा कि पूँजी में 1,40,000 रुपए की वृद्धि व्यापार के वर्ष में अर्जित लाभों के कारण हुई है।यदि वर्ष के अन्त में पूँजी घटकर 3,20,000 रुपए रह जाती है तो यह माना जायेगा कि पूँजी में 1,00,000 रुपए की कमी व्यापारिक हानि के कारण हुई है।

इस विधि में लाभ-हानि ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाती है:

1. प्रारम्भिक पूँजी ज्ञात करना-वर्ष के प्रारम्भ के सम्पत्ति एवं दायित्व के शेषों से प्रारम्भिक अवस्था विवरण बनाकर प्रारम्भिक पूँजी की गणना की जाती है:

Initial Capital = Initial Assets - Initial Liabilities

प्रारम्भिक पूँजी = प्रारम्भिक सम्पत्तियाँ - प्रारम्भिक दायित्व

2. अन्तिम ज्ञात करना: इसी प्रकार वर्ष के अन्त के सम्पत्ति एवं दायित्व के शेषों से अन्तिम अवस्था विवरण बनाकर अन्तिम पूँजी की गणना की जाती है:

Closing Capital = Assets at the end – Liabilities at the end

अन्तिम पूँजी = वर्ष के अन्त में सम्पत्तियाँ - वर्ष के अन्त में दायित्व

अवस्था विवरण बनाना: अपूर्ण लेखा विधि में जो अवस्था विवरण बनाये जाते हैं, वे तुलन-पत्र/चिठे की तरह ही होते हैं।अवस्था विवरण के दायें पक्ष में सम्पत्तियों को तथा बायें पक्ष में दायित्वों को दिखाया जाता है।अन्तर मात्र इतना ही है कि तुलन-पत्र/चिट्टे के अन्तर्गत सभी सम्पत्तियों एवं दायित्वों को वास्तविक मूल्य पर दिखाया जाता है जो खाता-बही में खोले गये खातों से लिये जाते

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

हैं जबकि अवस्था विवरण में कुछ सम्पत्तियों एवं दायित्वों के शेष अनुमानित भी हो सकते हैं क्योंकि अपूर्ण लेखा विधि में सम्पत्तियों एवं दायित्वों के खाते नहीं खोले जाते हैं।

अपूर्ण लेखा विधि में नियमित खाताबही के अभाव के कारण अवस्था विवरण बनाने हेतु वर्ष के प्रारम्भ एवं अन्त की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को निम्न प्रकार ज्ञात किया जाता है सम्पत्ति पक्ष की मदों को ज्ञात करना: सम्पत्ति पक्ष की ओर लिखी जाने वाली मदों में रोकड़ राशि रोकड़ बही से, बैंक शेष बैंक पास-बुक से, देनदारों की राशि देनदारों की खाता-बही से, स्टॉक की रकम गणना करके एवं अन्य सम्पत्तियाँ प्रमाणक, फाइल, भौतिक निरीक्षण एवं व्यापारी की स्मरण-शक्ति के आधार पर ज्ञात की जाती हैं।

दायित्व पक्ष की मदों को ज्ञात करना-दायित्व पक्ष में लेनदारों की राशि लेनदारों की खाताबही से, बैंक अधिविकर्ष की राशि बैंक पास-बुक से तथा देय बिलों की राशि व्यापारी द्वारा पूछताछ द्वारा कर ली जाती है।इस प्रकार अवस्था विवरण में सम्पत्तियों एवं दायित्वों के विवरण लिखने के पश्चात् दोनों पक्षों का जो अन्तर होता है, वह अन्तर व्यापार में उस तिथि को व्यापारी की पूँजी मानी जाती है।

3. आहरण एवं अतिरिक्त पूँजी के समायोजन कर लाभ-हानि का विवरण तैयार करना: यदि व्यापारी ने वर्ष के दौरान न तो आहरण किया हो और न ही अतिरिक्त पूँजी लगाई है तो ऐसी दशा में अवस्था विवरण द्वारा प्रकट अन्तिम पूँजी एवं प्रारम्भिक पूँजी का अन्तर व्यापारिक अवधि में कमाये गये लाभ या हानि को व्यक्त करेगा।

यदि व्यापारी ने वर्ष के दौरान आहरण किये या पूँजी निकाली है तो उससे अन्तिम पूँजी कम हो गई होगी, अतः व्यापारी द्वारा किये गये आहरणों व आहरित पूँजी को अन्तिम पूँजी में जोड़ा जाता है।इसी प्रकार वर्ष के दौरान अतिरिक्त पूँजी लगाने के कारण अन्तिम पूँजी बढ़ गई होगी, अतः इसे अन्तिम पूँजी में घटाया जाता है तथा उसके पश्चात् की समायोजित पूँजी की तुलना प्रारम्भिक पूँजी से करके व्यापार की लाभ-हानि ज्ञात की जाती है।व्यापार के लाभ-हानि की गणना लाभ-हानि का विवरण बनाकर निम्न प्रकार की जा सकती है

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Profit or Loss

Particulars		Amount ₹
Capital at the end (Closing Capital)		.....
Add : Drawings during the year		.....
Add : Capital withdrawn during the year		.....
		.....
Less : Additional Capital introduced during the year		.....
	Adjusted Capital	.....
Less : Capital at the beginning (Initial Capital) of the year		.....
Profit (+) or Loss (–) for the year		.....

4. सम्पत्तियों व दायित्व सम्बन्धी समायोजन-कभी-कभी व्यापारी अपूर्ण लेखों की स्थिति में भी सम्पत्तियों पर ह्रास, डूबत-ऋण आयोजन, बट्टे के लिए आयोजन एवं संदिग्ध दायित्वों के लिए प्रावधान करता है।अन्तिम अवस्था विवरण बनाते समय सम्बन्धित सम्पत्ति में से ये आयोजन घटाकर अपलिखित मूल्य लिए जाते हैं।यह ध्यान रहे कि इन आयोजनों को अवस्था विवरण/स्थिति पत्रक के अलावा अन्य कहीं भी नहीं दिखाया जायेगा।

5. पूँजी पर ब्याज, आहरण पर ब्याज, स्वामी के वेतन के लिए समायोजन-लाभ-हानि के विवरण द्वारा ज्ञात लाभ-हानि में पूँजी पर ब्याज तथा साझेदार या स्वामी को दिये गये वेतन को घटाया जाता है जबकि आहरण के ब्याज को जोड़ा जाता है।इस प्रकार से ज्ञात किया गया लाभ वर्ष का शुद्ध लाभ होगा।

6. स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय पर लाभ-हानि का समायोजन-व्यापारिक लाभ आयगत प्रकृति का होता है जबकि स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय से लाभ या हानि पूँजीगत प्रकृति का होता है।अतः लाभ-हानि की गणना करते समय स्थायी सम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त पूँजीगत लाभों को शुद्ध लाभ में घटाया जाता है तथा पूँजीगत हानि को जोड़ा जाता है।

उदाहरण द्वारा स्पष्टीकरण: कपिल अपने लेखे अपूर्ण लेखा विधि के अनुसार रखता है।31 मार्च, 2020 को समाप्त वर्ष के लिए इसकी लेखा पुस्तकों से निम्नलिखित शेष उपलब्ध किये गये है।

Debtors ₹ 50,000, Cash in hand ₹ 100, Stock (estimated) ₹ 30,000, Furniture ₹ 6,000, Creditors ₹ 20,000, Bank Overdraft ₹ 9,900.

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Affairs
as on 31st March, 2020

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	20,000	Cash in Hand	100
Bank Overdraft	9,900	Stock	30,000
Capital *(Balancing Figure)*	56,200	Debtors	50,000
		Furniture	6,000
	86,100		86,100

कपिल ने बताया कि उसने अप्रेल 1, 2019 को 40,000 रुपए की पूँजी (30,000 रुपए नकद तथा 10,000 रुपए स्टॉक) से व्यापार प्रारम्भ किया।2019 - 20 वर्ष में उसने अपनी मोटर साइकिल विक्रय कर 12,500 रुपए अतिरिक्त पूँजी व्यवसाय में विनियोजित की तथा घर खर्च हेतु 3,000 रुपए प्रतिमाह के आहरण किये।कपिल का वर्ष 2019 - 20 का लाभ क्या होगा?

टिप्पणी: प्रारम्भिक पूँजी ज्ञात करने के लिए सम्बन्धित वर्ष के आरम्भ का अवस्था विवरण/स्थिति पत्रक नहीं बनाया जाएगा, क्योंकि व्यापार इसी वर्ष 40,000 रुपए की पूँजी से प्रारम्भ किया गया था।अत: वर्ष की प्रारम्भिक पूँजी ज्ञात होने पर प्रारम्भिक अवस्था विवरण/स्थिति पत्रक (Statement of Affairs) नहीं बनाया जाएगा।

Net Profit = Final Capital + Drawings - Additional Capital - Initial Capital

= ₹ 56,200 + 36,000 - 12,500 - 40,000

= ₹ 39,700

प्रश्न 2 क्या किसी व्यापारी द्वारा रखे गए अपूर्ण खातों से लाभ-हानि खाता व तुलन-पत्र बनाना संभव है? क्या आप इससे सहमत हैं? व्याख्या कीजिए।

उत्तर – जी हाँ, किसी व्यापारी द्वारा रखे गये अपूर्ण खातों से लाभ-हानि खाता व तुलन-पत्र बनाना सम्भव है, यद्यपि इसमें कुछ कठिनाई अवश्य आती है।व्यापारिक और लाभ व हानि खाता तथा तुलन-पत्र बनाने के लिए व्यय, आय, परिसंपत्तियों एवं देयताओं की पूरी सूचना की आवश्यकता होती है।अपूर्ण अभिलेखों में लेनदार, नकद क्रय, देनदार, नकद विक्रय, अन्य नकद भुगतान एवं

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

नकद प्राप्ति आदि कुछ मदों का विस्तृत ब्योरा सरलता से प्राप्त हो जाता है।लेकिन कुछ मदें ऐसी भी हैं जिनका निर्धारण परोक्ष रूप से द्वि-अंकीय तर्क पर किया जाता है।

जब एक छोटा व्यवसायी अपने लेखा-अभिलेख अपूर्ण लेखा विधि से रखता है और वर्ष में अर्जित लाभ ज्ञात करने हेतु अन्तिम लेखा विधि प्रयुक्त करता है तो सर्वप्रथम उसे अज्ञात मदों को ज्ञात करना होगा।अज्ञात मदों को ज्ञात करना व्यक्ति विशेष के ज्ञान, बुद्धिमत्ता एवं अनुभव पर निर्भर करता है, फिर भी सामान्यतः निम्नलिखित क्रियाविधि प्रयुक्त की जायेगी।इसके लिए विभिन्न चरण आवश्यक हैं:

1. प्रारम्भिक पूँजी ज्ञात करना: यदि व्यवसायी ने नया व्यापार इसी वर्ष प्रारम्भ किया है तो उसके द्वारा लगाई गई पूँजी ही प्रारम्भिक पूँजी होगी अन्यथा प्रारम्भिक सम्पत्ति एवं प्रारम्भिक दायित्व लेते हुए प्रारम्भिक अवस्था/स्थिति विवरण बनाया जायेगा तथा सम्पत्तियों का दायित्वों पर आधिक्य को प्रारम्भिक पूँजी माना जायेगा।

2. रोकड़ एवं बैंक सारांश तैयार करना: रोकड़ एवं बैंक सम्बन्धित अज्ञात मदों को ज्ञात करने के लिए आवश्यकतानुसार रोकड़ या बैंक सारांश बनाया जाता है।समस्त प्राप्तियों को डेबिट पक्ष में एवं समस्त भुगतानों को क्रेडिट पक्ष में दिखाया जाता है।यदि प्रारम्भिक शेष दिया हुआ है तो उसे सामान्यत: डेबिट में लिखकर अन्तिम शेष ज्ञात कर लिया जाता है और यदि अन्तिम शेष दिया हुआ है तो उसे क्रेडिट पक्ष में लिखकर प्रारम्भिक शेष ज्ञात कर लिया जाता है।

3. कुल देनदार खाता बनाना: इस खाते को बनाकर देनदारों के प्रारम्भिक एवं अन्तिम शेष, देनदारों से प्राप्त राशि, उधार बिक्री ज्ञात की जा सकती है।इन चार प्रमुख मदों में से कोई तीन मद ज्ञात होने पर चौथी अज्ञात मद की गणना की जा सकती है।

Dr. Total Debtors Account Cr.

	₹		₹
To Balance b/d	------	By Cash Received	------
To Sales (Credit)	------	By Bank (Cheque	
To B/R Dishonoured	------	Received)	------
To Interest Charged	------	By B/R Received	------
To Cash Refunds	------	By Discount Allowed	------

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

To Creditors A/c (Endorsed B/R Dishonoured)	------ ------	By Sales Returns By Bad Debts By Transfer (If any) By Allowances By Balance c/d	------ ------ ------ ------ ------
	------		------

4. कुल लेनदार खाता बनाना: इस खाते को बनाकर लेनदारों का प्रारम्भिक एवं अन्तिम शेष, उधार क्रय व . लेनदारों को चुकाई गई राशि ज्ञात की जा सकती है।कुल लेनदार खाते की इन प्रमुख चार मदों में कोई तीन ज्ञात होने पर चौथी अज्ञात मद ज्ञात कर ली जाती है।

Dr. Total Creditors Account Cr.

	₹		₹
To Cash/Bank A/c	------	By Balance b/d	------
To Discount A/c	------	By B.P. Withdrawal	------
To Purchases Return A/c	------	By Interest Charged	------
To Bills Payable A/c	------	By Purchases A/c	------
To Balance c/d	------	(Credit Purchase)	
	------		------

5. प्राप्य बिलों का खाता तैयार करना: इस खाते से प्राप्य बिलों का प्रारम्भिक एवं अन्तिम शेष, प्राप्य बिलों के बदले प्राप्त राशि, देनदारों से प्राप्त स्वीकृत बिल की राशि ज्ञात कर सकते हैं।कोई प्रमुख तीन मदें ज्ञात होने पर अज्ञात चौथी मद की गणना की जा सकती है।

Dr. Bills Receivable Account Cr.

	₹		₹
To Balance b/d	------	By Cash A/c	------
To Debtors A/c		By Bank A/c	
(B/R Received)	------	(Bills Discounted)	------
		By Discount A/c	------
		By Debtors	
		(B/R Dishonoured)	------
		By Creditors	
		(B/R Endorsed)	------
		By Balance c/d	------
	------		------

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

6. देय बिलों का खाता तैयार करना: इस खाते से देय बिलों का प्रारम्भिक एवं अन्तिम शेष, देय बिलों के भुगतान में दी गई राशि, लेनदारों को स्वीकृत बिल की राशि ज्ञात की जा सकती है।उपर्युक्त प्रमुख चार मदों में से कोई तीन मद ज्ञात होने पर चौथी अज्ञात मद देय बिलों का खाता तैयार कर ज्ञात की जा सकती है।

Dr. Bills Payable Account Cr.

	₹		₹
To Cash/Bank a/c	------	By Balance b/d	------
To Rebate A/c	------	By Creditors A/c	
To Creditors		(Bills Accepted)	------
(B.P. Withdrawn)	------		
To Balance c/d	------		
	------		------

7. नकद क्रय तथा नकद विक्रय की राशि ज्ञात करना: नकद क्रय एवं नकद विक्रय की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की जा सकती है

नकद क्रय = कुल क्रय - उधार क्रय

नकद विक्रय = कुल विक्रय - उधार विक्रय

8. **कुल बिक्री की राशि ज्ञात करना:** कभी-कभी प्रश्न में कुल बिक्री की राशि नहीं दी गई होती है तो बेचे गये माल की लागत में सकल लाभ की राशि जोड़कर कुल विक्रय की राशि ज्ञात की जा सकती है।सकल लाभ की राशि ज्ञात करने के लिए प्रायः सकल लाभ की दर बिक्री पर दी गई होती है, उसे निम्न सूत्र द्वारा लागत पर बदल लेना चाहिए

$$\frac{\text{Gross Profit Rate}}{(100-\text{Gross Profit Rate})} \times \text{Cost of Goods Sold}$$

कुल बिक्री की राशि निम्न प्रकार ज्ञात की जा सकती है:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Opening Stock	.....
Add **:** Purchases	.....
	.....
Less **:** Closing Stock	.....
Cost of Goods Sold	.....
Add **:** Gross Profit	.....
Total Sales	.....

9. प्रारम्भिक व अन्तिम स्टॉक की राशि ज्ञात करना: यदि प्रारम्भिक या अन्तिम स्टॉक नहीं दिया गया है तो यह व्यापार खाता बनाते समय ज्ञात हो जाता है। व्यापार खाते की समस्त ज्ञात मदें लिख दी जाती हैं। लेकिन यह ध्यान रहे कि सकल लाभ की दर सदैव बिक्री पर हो, यदि यह लागत पर दे रखी हो तो निम्न सूत्र द्वारा इसे बिक्री पर बदल लिया जायेगा

$$\frac{\text{Gross Profit Rate}}{(100 + \text{Gross Profit Rate})} \times \text{Sales}$$

सकल लाभ की राशि भी व्यापार खाते के डेबिट में लिखने के पश्चात् यदि क्रेडिट पक्ष का योग डेबिट पक्ष से अधिक है तो अज्ञात मद प्रारम्भिक स्टॉक होगी और यदि डेबिट पक्ष का योग क्रेडिट पक्ष से अधिक है तो अज्ञात मद अन्तिम स्टॉक होगी।

10. स्थायी सम्पत्ति के सम्बन्धित अज्ञात मद की राशि ज्ञात करना-यदि आवश्यक हो तो स्थायी सम्पत्ति का खाता बनाकर इसके प्रारम्भिक शेष, अन्तिम शेष, क्रय, विक्रय, ह्रास आदि मदों की गणना की जा सकती है। इस खाते का प्रारूप निम्नलिखित है

Dr. Fixed Assets Account Cr.

	₹		₹
To Balance b/d	------	By Cash/Bank/Party A/c	------
To Supplier/Bank/Cash A/c (Purchases)	------	By Depreciation on Assets sold A/c	------
To P & L A/c (Profit on Sale)	------	By P & L A/c (Loss on Sale)	------
		By Depreciation A/c (Dep. on existing assets at the end of the year)	------
		By Balance c/d	------
	------		------

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

11. समायोजन सम्बन्धी लेखे-ह्रास, डूबत ऋण या बट्टे हेतु प्रावधान, अदत्त व पूर्वदत्त व्ययों हेतु समायोजन, अनुपार्जित आय, उपार्जित आय आदि के समायोजन भी समुचित प्रकार से एवं यथास्थान पर किये जायेंगे।उपर्युक्त के आधार पर अज्ञात मदों को ज्ञात कर व्यापार खाता एवं लाभ-हानि खाता तथा तुलन-पत्र/चिट्ठा तैयार करके हम अन्तिम खाते तैयार करेंगे।

प्रश्न 3 अपूर्ण खातों से निम्न का निर्धारण किस प्रकार करेंगे (अ) आरम्भिक पूँजी व अंतिम पूँजी (ब) उधार विक्रय व उधार क्रय (स) लेनदारों को भुगतान व देनदारों से प्राप्तियाँ (द) रोकड़ का अंतिम शेष।

उत्तर – **(अ) आरम्भिक पूँजी व अन्तिम पूँजी-** आरम्भिक पूँजी ज्ञात करने हेतु वर्ष के प्रारम्भ में सम्पत्ति व दायित्व के शेषों से आरम्भिक अवस्था विवरण/स्थिति पत्रक बनाया जाता है।

Initial Capital = Initial Assets -Initial Liabilities

आरम्भिव पूँजी = वर्ष के प्रारम्भ में सम्पत्तियाँ - वर्ष के प्रारम्भ में दायित्व

अन्तिम पूँजी ज्ञात करने हेतु वर्ष के अन्त के सम्पत्ति व दायित्व के शेषों से अन्तिम अवस्था विवरण/स्थिति पत्रक बनाया जाता है।

Closing Capital = Assets at the end - Liabilities at the end

अन्तिम पूँजी = वर्ष के अन्त में सम्पत्तियाँ - वर्ष के अन्त में दायित्व

अवस्था विवरण/स्थिति पत्रक चिट्ठे के समान ही होता है; परन्तु स्थिति पत्रक में सम्पत्तियों व दायित्वों के अनुमानित मूल्य होते हैं तथा ये अपूर्ण लेखों से लिये जाते हैं।स्थिति पत्रक में दायें पक्ष में सम्पत्तियों को तथा बायें पक्ष में दायित्वों को दिखाया जाता है।सम्पत्तियों व दायित्वों के विवरण लिखने के पश्चात् दोनों का अन्तर उस तिथि को व्यापारी की पूँजी होती है।

(ब) उधार विक्रय व उधार क्रय: उधार विक्रय की गणना कुल देनदार खाता व उधार क्रय की गणना कुल लेनदार खाता बनाकर की जाती है।इनका प्रारूप अग्र प्रकार है।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Total Debtors Account

	₹		₹
To Balance b/d	.....	By Cash Received	.....
To Sales (Credit)	.....	By Bank (Cheque Received)	.....
To B/R Dishonoured	.....	By B/R Received	.....
To Cash Refunds	.....	By Discount Allowed	.....
To Total Creditors A/c	.....	By Sales Returns	.....
(Endorsed B/R		By Bad Debts	.....
Dishonoured)		By Allowances	.....
		By Balance c/d	.....
	------		------

Total Creditors Account

	₹		₹
To Cash Paid	.....	By Balance b/d	.....
To Bank (Cheque Issued)	.....	By Purchases (Credit)	.....
To Discount Received	.....	By B/P Withdrawn	.....
To B/P Accepted	.....	By Cash Refunds	.....
To Purchase Return	.....	By Total Debtors a/c	.....
To Balance c/d	.....	(Endorsed B/R Dishonoured)	
	------		------

(स) लेनदारों को भुगतान व देनदारों से प्राप्तियाँ: लेनदारों को भुगतान की गई राशि की गणना कुल लेनदार खाता बनाकर तथा देनदारों से प्राप्त राशि की गणना कुल देनदार खाता बनाकर की जाती है।इन दोनों खातों का प्रारूप ऊपर बिन्दु (ब) में उल्लेखित किया जा चुका है।

(द) रोकड़ का अन्तिम शेष: रोकड़ का अन्तिम शेष ज्ञात करने हेतु वर्ष के अन्त में रोकड़ खाता बनाया जाता है।रोकड़ खाते के डेबिट पक्ष में रोकड़ का प्रारम्भिक शेष व समस्त प्राप्तियों को दर्शाया जाता है तथा क्रेडिट पक्ष में समस्त भुगतान लिखे जाते हैं।रोकड़ प्राप्तियों व रोकड़ भुगतानों का अन्तर रोकड़ का अन्तिम शेष होता है।रोकड़ खाते का प्रारूप निम्न प्रकार है

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr.	Cash Account		Cr.
	₹		₹
To Balance b/d	.....	By Cash Purchases	.....
To Cash Sales	.....	By Creditors	.....
To Debtors a/c	.....	By Drawings	.....
To Additional Capital	.....	By Bills Payable Discharged	.....
To Sale of Fixed Assets & Investment	.....	By Purchase of Fixed Assets & Investment	.....
To Sundry Incomes	.....	By Sundry Expenses	.....
To Bills Receivable Collected	.....	By Balance c/d	.....
	------		------

संख्यात्मक प्रश्न:

अवस्था विवरण विधि द्वारा लाभ व हानि का निर्धारण:

प्रश्न 1 नीचे दी गई सूचनाओं से लाभ व हानि विवरण बनाइये:

	रुपये
वर्ष के अन्त में पूँजी	5,00,000
वर्ष के आरंभ में पूँजी	7,50,000
सत्र के दौरान आहरण	3,75,000
अतिरिक्त पूँजी का समावेश	50,000

उत्तर –

Statement of Profit or Loss

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	5,00,000
Add : Drawings made during the year	3,75,000
	8,75,000
Less : Additional Capital introduced	(50,000)
Adjusted Capital at the end of the year	8,25,000
Less : Capital in the beginning of the year	(7,50,000)
Profit during the year	75,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 2 श्री मनवीर ने 01 अप्रैल, 2016 को 4,50,000 रुपये की पूँजी से व्यापार प्रारंभ किया। 31 मार्च, 2017 को उनकी स्थिति निम्न है:

	रुपये
रोकड़	99,000
प्राप्यविपत्र	75,000
संयंत्र	48,000
भूमिवभवन	80,000
फर्नीचर	50,000

इस तिथि को मनवीर ने अपने मित्र से 45,000 रुपये उधार लिये। घरेलू व्यय के लिये 8,000 रुपये प्रति मास निकाले। 31 मार्च, 2017 को समाप्त वर्ष के लिये लाभ व हानि का निर्धारण करें।

उत्तर –

Books of Shri Manveer
Statement of Affairs
as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Loan from friend	45,000	Cash	99,000
Capital *(Balancing figure)*	4,07,000	Bills Receivable	75,000
		Furniture	50,000
		Plant	48,000
		Land and Building	1,80,000
	4,52,000		4,52,000

Statement for Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital as at the end of the year	4,07,000
Add : Drawings made during the year (₹ 8,000 × 12)	96,000
Adjusted Capital	5,03,000
Less : Capital as at the beginning of the year	(4,50,000)
Profit made during the year	53,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 3 नीचे दी गई सूचनाओं के आधार पर वर्ष का लाभ निर्धारण करें वर्ष के आरंभ में पूँजी:

	रुपये
वर्ष के आरंभ में पूँजी	70,000
वर्ष के दौरान अतिरिक्त पूँजी लगायी स्टॉक	17,500
विविध देनदार	59,500
व्यापारिक परिसर	25,900
मशीनरी	8,600
विविध लेनदार	2,100
वर्ष के दौरान आहरण	33,400
वर्ष के आरंभ में पूँजी	26,400

उत्तर –

Statement of Affairs as at end of the year

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors	33,400	Stock	59,500
Capital *(Balancing figure)*	62,700	Sundry Debtors	25,900
		Business Premises	8,600
		Machinery	2,100
	96,100		96,100

Statement of Profit or Loss

Particulars	Amount ₹
Capital as at the end of the year	62,700
Add : Drawings made during the year	26,400
	89,100
Less : Additional Capital introduced during the year	(17,500)
Adjusted Capital	71,600
Less : Capital as at the beginning of the year	(70,000)
Profit made during the year	1,600

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 4 निम्न सूचनाओं से आरंभिक पूँजी की गणना करें:

	रुपये
वर्ष के अंत में पूँजी	4,00,000
वर्ष के दौरान आहरण	60,000
वर्ष के दौरान नई पूँजी लगायी	1,00,000
चालू वर्ष का लाभ	80,000

उत्तर –

Statement of Profit or Loss

Particulars	Amount ₹
Capital as at the end of the year	4,00,000
Add : Drawings made during the year	60,000
	4,60,000
Less : Capital introduced during the year	(1,00,000)
Adjusted Capital	3,60,000
Less : Capital as at the beginning of the year *(Balancing figure)*	(2,80,000)
Profit of current year	80,000

अतः आरम्भिक पूँजी = ₹ 2,80,000.

प्रश्न 5 नीचे दी गई सूचनाओं के आधार पर अंतिम पूँजी की गणना करें:

	01अप्रैल,2016रुपये	31मार्च,2017रुपये
लेनदार	5,000	30,000
देय विपत्र	10,000	-
ऋण	-	50,000
प्राप्य विपत्र	30,000	50,000
स्टॉक	5,000	30,000
रोकड़	2,000	20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Statement of Affairs
as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	30,000	Bills Receivable	50,000
Loan	50,000	Stock	30,000
Capital *(Balancing figure)*	20,000	Cash	20,000
	1,00,000		1,00,000

अत: अन्तिम पूँजी = ₹ 20,000.

प्रश्न 6 श्रीमती अनु ने 01 अक्टूबर, 2016 को 4,00,000 रुपये की पूँजी से व्यापार आरंभ किया।अपने मित्र से 1,00,000 रु. का ऋण 10 प्रतिशत वार्षिक की दर से (ब्याज का भुगतान हुआ) व्यापार के लिये लिया और 75,000 रु. की अतिरिक्त पूँजी लगाई।31 मार्च, 2017 की स्थिति इस प्रकार है:

	रुपये
रोकड़	30,000
स्टॉक	4,70,000
देनदार	3,50,000
लेनदार	3,00,000

वर्ष में हर मास 8,000 रु. का आहरण किया।वर्ष के लिये लाभ व हानि की गणना करें और कार्यविधि को स्पष्ट दिखायें।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Mrs. Anu
Statement of Affairs as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	3,00,000	Cash	30,000
Loan from friend	1,00,000	Stock	4,70,000
Capital *(Balancing figure)*	4,50,000	Debtors	3,50,000
	8,50,000		8,50,000

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	4,50,000
Add : Drawings made during the year (8,000 × 6)	48,000
	4,98,000
Less : Additional Capital introduced	(75,000)
Adjusted Capital	4,23,000
Less : Capital at the beginning of the year	(4,00,000)
Profit made during the year	23,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 7 श्री अरनव ने अपने व्यवसाय के उचित प्रलेखे नहीं रखे।उपलब्ध निम्न सूचनाओं से वर्ष में लाभ व हानि का विवरण तैयार करें:

	रुपये
वर्ष के आरम्भ में स्वामी की पूँजी	15,00,000
प्राप्य विपत्र	60,000
हस्तस्थ रोकड़	80,000
फर्नीचर	9,00,000
भवन	10,00,000
लेनदार	6,00,000
व्यापारिक स्टॉक	2,00,000
अतिरिक्त पूँजी लगाई	3,20,000
वर्ष के दौरान आहरण	80,000

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of Shri Arnav
Statement of Affairs at the end of the year

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	6,00,000	Cash in Hand	80,000
Capital *(Balancing figure)*	16,40,000	Bills Receivable	60,000
		Furniture	9,00,000
		Stock in Trade	2,00,000
		Building	10,00,000
	22,40,000		22,40,000

Statement of Profit or Loss

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	16,40,000
Add : Drawings	80,000
	17,20,000
Less : Additional Capital Introduced	(3,20,000)
Adjusted Capital	14,00,000
Less : Capital at the beginning of the year	(15,00,000)
Loss during the year	1,00,000

वर्ष के आरम्भ व अन्त में अवस्था विवरण का निर्धारण एवं लाभ व हानि की गणना

प्रश्न 8 श्री अक्षत जो अपनी पुस्तकों को एकल प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार रखता है, निम्न सूचनाएं दी गई हैं:

	01अप्रैल,2016रुपये	31मार्च,2017रुपये
हस्तस्थ रोकड़	1,000	12,000
बैंक में रोकड़	15,000	2,000
स्टॉक	1,00,000	90,000
देनदार	42,500	60,000
व्यापारिक परिसर	75,000	40,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

फर्नीचर	9,000	8,000
लेनदार	66,000	30,000
देय विपत्र	44,000	20,000

उसने वर्ष के दौरान 45,000 रुपये का आहरण किया एवं 25,000 रु. अतिरिक्त पूँजी लगाई। व्यापार के लाभ व हानि की गणना करें।

उत्तर –

Books of Shri Akshat
Statement of Affairs
as at April 1, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	66,000	Cash in Hand	1,000
Bills Payable	44,000	Cash at Bank	15,000
Capital *(Balancing figure)*	1,32,500	Stock	1,00,000
		Debtors	42,500
		Business Premises	75,000
		Furniture	9,000
	2,42,500		2,42,500

Statement of Affairs as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	87,000	Cash in Hand	1,500
Bills Payable	58,000	Cash at Bank	10,000
Capital *(Balancing figure)*	1,74,000	Stock	95,000
		Debtors	70,000
		Business Premises	1,35,000
		Furniture	7,500
	3,19,000		3,19,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	1,74,000
Add : Drawings during the year	45,000
	2,19,000
Less : Additional Capital Introduced	(25,000)
Adjusted Capital	1,94,000
Less : Capital at the beginning of the year	(1,32,500)
Profit made during the year	61,500

प्रश्न 9 गोपाल नियमित रूप से लेखा पुस्तकों को नहीं रखता।निम्न सूचनाएँ दी गई हैं:

	01अप्रैल,2016रुपये	31मार्च,2017रुपये
हस्तस्थ रोकड़	18,000	12,000
बैंक में रोकड़	1,500	2,000
व्यापारिक स्टॉ	80,000	90,000
विविध देनदार	36,000	60,000
विविध लेनदार	60,000	40,000
ऋण	10,000	8,000
कार्यालय उपक	25,000	30,000
भूमि व भवन	30,000	20,000
फनीचर	10,000	10,000

वर्ष के दौरान 20,000 रुपये अतिरिक्त पूँजी लगाई एवं 12,000 रुपये का व्यापार से आहरण किया।दी गई सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये।

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Books of Gopal
Statement of Affairs as at April 1, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors	60,000	Cash in Hand	18,000
Loan	10,000	Cash at Bank	1,500
Capital *(Balancing figure)*	1,30,500	Stock in Trade	80,000
		Sundry Debtors	36,000
		Office Equipments	25,000
		Land and Building	30,000
		Furniture	10,000
	2,00,500		2,00,500

Statement of Affairs
as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors	40,000	Cash in Hand	12,000
Loan	8,000	Cash at Bank	2,000
Capital *(Balancing figure)*	1,76,000	Stock in Trade	90,000
		Sundry Debtors	60,000
		Office Equipments	30,000
		Land and Building	20,000
		Furniture	10,000
	2,24,000		2,24,000

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars		Amount ₹
Capital at the end of the year		1,76,000
Add : Drawings during the year		12,000
		1,88,000
Less : Additional Capital Introduced		(20,000)
	Adjusted Capital	1,68,000
Less : Capital at the beginning of the year		(1,30,500)
	Profit made during the year	37,500

प्रश्न 10 श्री मुनीश अपूर्ण लेखों से अपनी लेखा पुस्तकें रखते हैं। उनकी पुस्तकें निम्न सूचनाएँ देती हैं:

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

	01अप्रैल,2016रुपये	31मार्च,2017रुपये
स्टॉक	1,200	1,600
प्राप्य विपत्र	-	2,400
देनदार	16,800	27,200
फर्नीचर	22,400	24,400
संयन्त्र	-	8,000
देय विपत्र	7,500	8,000
लेनदार	14,000	15,200

वह अपने निजी व्यय के लिये 300 रुपये प्रति माह का आहरण करते हैं।वह अपने विनियोग 16,000 रुपये को 2 प्रतिशत अधिलाभ पर विक्रय करके राशि व्यापार में लगाते हैं।

रोकड़

उत्तर –

Books of Shri Muneesh
Statement of Affairs as at April 1, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	14,000	Cash	1,200
Capital *(Balancing figure)*	33,900	Debtors	16,800
		Stock	22,400
		Furniture	7,500
	47,900		47,900

Statement of Affairs as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors	15,200	Cash	1,600
Capital *(Balancing figure)*	56,400	Bills Receivable	2,400
		Debtors	27,200
		Stock	24,400
		Investment	8,000
		Furniture	8,000
	71,600		71,600

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	56,400
Add : Drawings during the year (300 × 12)	3,600
	60,000
Less : Additional Capital Introduced $\left(16{,}000 \times \frac{102}{100}\right)$	(16,320)
Adjusted Capital	43,680
Less : Capital at the beginning of the year	(33,900)
Profit made during the year	9,780

प्रश्न 11 श्री गिरधारी लाल जी पूर्ण लेखांकन प्रणाली का पालन नहीं करते हैं।1 अप्रैल, 2016 को उनके शेष इस प्रकार हैं:

दायित्व	राशि (₹)	परिसम्पतियाँ	राशि (₹)
विविध लेनदार	35000	हस्तस्थ रोकड़	5,000
देय विपत्र	15,000	बैंक में रोकड़	20,000
पूँजी	40,000	विविध देनदार	18,000
		स्टॉक	22,000
		फर्नीचर	8,000
		संयन्त्र	17,000
	90,000		90,000

वर्ष के अन्त में उनकी स्थितिहस्तस्थ रोकड़	रुपये
स्टॉक	7,000
देनदार	8,600
फर्नीचर	23,800
संयन्त्र	15,000
देय विपत्र	20,350
लेनदार	20,200

वह 500 रुपये प्रति माह का आहरण करते हैं।इसमें से 1,500 रुपये व्यापार के लिये व्यय करते हैं।लाभ व हानि का विवरण बनाइये।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of Shri Girdhari Lal
Statement of Affairs as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Bills Payable	20,200	Cash in Hand	7,000
Creditors	15,000	Stock	8,600
Capital *(Balancing figure)*	39,550	Debtors	23,800
		Furniture	15,000
		Plant	20,350
	74,750		74,750

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	39,550
Add : Drawings during the year (500 × 12)	6,000
	45,550
Less : Additional Capital Introduced	(1,500)
Adjusted Capital	44,050
Less : Capital at the beginning of the year	(40,000)
Profit made during the year	4,050

प्रश्न 12 श्री अशोक अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं।उनकी पुस्तकों से निम्न सूचनाएँ उपलब्ध हैं:

	01अप्रैल,2016रुपये	31 मार्च,2017 रुपये
विविध लेनदार	45,000	93,000
पत्नी से ऋण	66,000	57,000
विविध देनदार	22,500	-
भूमि व भवन	89,600	90,000
हस्तस्थ रोकड़	7,500	8,700
बैंक अधिविकर्ष	25,000	-
फर्नीचर	1,300	1,300

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

रहतिया	34,000	25,000

वर्ष के दौरान श्री अशोक ने अपनी निजी कार 50,000 रुपये में विक्रय करके राशि व्यापार में विनियोग कर दी। 31 अक्टूबर, 2016 तक व्यापार से 1,500 रुपये प्रति मास आहरण किया एवं उसके बाद 4,500 रुपये प्रति माह का आहरण किया। आप 31 मार्च, 2017 को लाभ व हानि विवरण एवं अवस्था विवरण तैयार करें।

उत्तर –

Books of Shri Ashok
Statement of Affairs as at April 1, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors	45,000	Sundry Debtors	22,500
Loan from wife	66,000	Land and Building	89,600
Bank Overdraft	25,000	Cash in Hand	7,500
Capital *(Balancing figure)*	18,900	Furniture	1,300
		Stock	34,000
	1,54,900		1,54,900

Statement of Affairs as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Sundry Creditors	93,000	Land and Building	90,000
Loan from wife	57,000	Cash in Hand	8,700
		Furniture	1,300
		Stock	25,000
		Deficiency in Capital *(Balancing figure)*	25,000
	1,50,000		1,50,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Deficiency in Capital at the end of the year	(25,000)
Add : Drawings during the year (1,500 × 7) + (4,500 × 5)	33,000
	8,000
Less : Additional Capital Introduced	(50,000)
Adjusted Deficient Capital	(42,000)
Less : Capital at the beginning of the year	(18,900)
Loss made during the year	(60,900)

प्रश्न 13 कृष्णा कुलकर्णी अपनी पुस्तकें नियमित रूप से नहीं रखते हैं।31 मार्च, 2017 को निम्न सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि का विवरण बनाइये:

	01अप्रैल,2016रुपये	31 मार्च,2017 रुपये
हस्तस्थ रोकड़	10,000	36,000
देनदार	20,000	80,000
लेनदार	10,000	46,000
प्राप्य विपत्र	20,000	24,000
देय विपत्र	4,000	42,000
कार	-	80,000
स्टॉक	40,000	30,000
फर्नीचर	8,000	48,000
विनियोग	40,000	50,000
बैंक शेष	1,00,000	90,000

निम्न समायोजन करें:

(अ) कृष्णा ने निजी उपयोग के लिये 5,000 रुपये प्रति मास का आहरण किया।

(ब) कार पर 5% की दर और फर्नीचर पर 10% की दर से ह्रास लगायें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

(स) बकाया किराया 6,000 रुपये।

(द) वर्ष के दौरान 30,000 रुपये नई पूँजी लगाई।

उत्तर –

Books of Krishna Kulkarni
Statement of Affairs
as at April 1, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Creditors	10,000	Cash in Hand	10,000
Bills Payable	4,000	Debtors	20,000
Capital *(Balancing figure)*	2,24,000	Bills Receivable	20,000
		Stock	40,000
		Furniture	8,000
		Investment	40,000
		Bank Balance	1,00,000
	2,38,000		2,38,000

Statement of Affairs
as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors	46,000	Cash in Hand		36,000
Bills Payable	42,000	Debtors		80,000
Outstanding Rent	6,000	Bills Receivable		24,000
Capital *(Balancing Figure)*	3,35,200	Car	80,000	
		Less : Depreciation	(4,000)	76,000
		Stock		30,000
		Furniture	48,000	
		Less : Depreciation	(4,800)	43,200
		Investment		50,000
		Bank Balance		90,000
	4,29,200			4,29,200

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	3,35,200
Add : Drawings during the year (5,000 × 12)	60,000
	3,95,200
Less : Additional Capital Introduced	(30,000)
Adjusted Capital	3,65,200
Less : Capital at the beginning of the year	(2,24,000)
Profit made during the year	1,41,200

प्रश्न 14 मैसर्स सानिया स्पोर्ट्स इक्युपमेंट्स नियमित प्रलेख नहीं रखता।31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये, निम्न सूचनाओं के आधार पर लाभ व हानि ज्ञात करें एवं तुलन-पत्र तैयार करें:

	01अप्रैल,2016रुपये	31 मार्च,2017 रुपये
हस्तस्थ रोकड़	6,000	24,000
बैंक अधिविकर्ष स्टॉक	30,000	-
विविध लेनदार	50,000	80,000
विविध देनदार	26,000	40,000
देय विपत्र	60,000	1,40,000
फर्नीचर	6,000	12,000
प्राप्य विपत्र	40,000	60,000
मशीनरी	8,000	28,000
विनियोग	50,000	1,00,000

निजी उपयोग के लिये 10,000 रुपये प्रति माह का आहरण।वर्ष के दौरान 2,00,000 रु. की नई पूँजी का विनियोग।डूबत ऋण 2,000 रुपये एवं देनदार पर 5% का प्रावधान करें, अदत्त वेतन 2,400 रुपये, पूर्वदत्त बीमा 700 रुपये, फर्नीचर एवं मशीन पर 10% प्रति वर्ष की दर से ह्रास लगायें।

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of M/s Saniya Sports Equipments
Statement of Affairs
as at April 1, 2016

Liabilities	Amount ₹	Assets	Amount ₹
Bank Overdraft	30,000	Cash in Hand	6,000
Sundry Creditors	26,000	Stock	50,000
Bills Payable	6,000	Sundry Debtors	60,000
Capital *(Balancing figure)*	1,82,000	Furniture	40,000
		Bills Receivable	8,000
		Machinery	50,000
		Investment	30,000
	2,44,000		2,44,000

Statement of Affairs
as at March 31, 2017

Liabilities	Amount ₹	Assets		Amount ₹
Sundry Creditors	40,000	Cash in Hand		24,000
Bills Payable	12,000	Stock		80,000
Outstanding Salary	2,400	Sundry Debtors	1,40,000	
Capital *(Balancing figure)*	4,33,400	*Less* : Bad Debts	(2,000)	
			1,38,000	
		Less : Provision for B.D.	(6,900)	1,31,100
		Furniture	60,000	
		Less : Depreciation	(6,000)	54,000
		Bills Receivable		28,000
		Machinery	1,00,000	
		Less : Depreciation	(10,000)	90,000
		Investment		80,000
		Prepaid Insurance		700
	4,87,800			4,87,800

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Statement of Profit or Loss
for the year ended March 31, 2017

Particulars	Amount ₹
Capital at the end of the year	4,33,400
Add : Drawings during the year (10,000 × 12)	1,20,000
	5,53,400
Less : Additional Capital Introduced	(2,00,000)
Adjusted Capital	3,53,400
Less : Capital at the beginning of the year	(1,82,000)
Profit made during the year	1,71,400

प्रश्न 15 निम्नलिखित सूचनाओं से लेनदारों को भुगतान की गई राशि की गणना करें:

	रुपये
31 मार्च, 2017 को विविध लेनदार	1,80,425
प्राप्त बट्टा	26,000
बट्टे दिया	24,000
क्रय वापसी	37,200
विक्रय वापसी	32,200
स्वीकृत विपत्र	1,99,000
विपत्र का लेनदारों को हस्तांतरण	26,000
01 अप्रैल, 2016 को लेनदार	2,09,050
कुल क्रय	8,97,000
नकद क्रय	1,40,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

उत्तर –

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Total Creditors Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
				2016			
	To Bills Payable		1,99,000	April 1	By Balance b/d		2,09,050
	To Purchases Return		37,200		By Credit Purchases		
	To Cash *(Bal. Figure)*		4,97,425		(8,97,000 – 1,40,000)		7,57,000
	To Discount Received		26,000				
	To Bills endorsed		26,000				
2017							
March 31	To Balance c/d		1,80,425				
			9,66,050				9,66,050

अतः लेनदारों को भुगतान की गई राशि = ₹ 4,97,425

प्रश्न 16 निम्न से उधार क्रय ज्ञात करें:

	रुपये
01 अप्रैल, , 2016 को लेनदारों का शेष	45,000
31 मार्च, 2017 को लेनदारों का शेष	36,000
लेनदारों को रोकड़ भुगतान	1,80,000
लेनदारों का चेक से भुगतान	60,000
रोकड़ क्रय	75,000
लेनदारों से प्राप्त बट्टा	5,400
बट्टा दिया	5,000
लेनदारों को देय विपत्र	12,750
क्रय वापसी	7,500
देय विपत्र (अनादूत)	3,000
प्राप्य विपत्र का लेनदारों को हस्तांतरण	4,500
लेनदारों को दिये गये प्राप्य विपत्र अनाहत	1,800
विक्रय वापसी	3,700

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Dr. Total Creditors Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
				2016			
	To Cash		1,80,000	April 1	By Balance b/d		45,000
	To Bank		60,000		By Bills Payable		
	To Discount Received		5,400		(dishonoured)		3,000
	To Bills Payable		12,750		By B/R endorsed		
	To Purchases Return		7,500		(dishonoured)		1,800
	To B/R endorsed		4,500		By Credit Purchases		
2017					*(Balancing Figure)*		2,56,350
March 31	To Balance c/d		36,000				
			3,06,150				3,06,150

अतः उधार क्रय = ₹2,56,350.

प्रश्न 17 निम्न सूचनाओं से कुल क्रय की गणना करें:

	रुपये
01 अप्रैल, 2016 को लेनदार	30,000
31 मार्च, 2017 को लेनदार	20,000
देय विपत्र का आरंभिक शेष	25,000
देय विपत्र का अंतिम शेष	35,000
लेनदारों को रोकड़ भुगतान	1,51,000
विपत्र का भुगतान	44,500
नकद (रोकड़) क्रय	1,29,000
क्रय वापसी	6,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Total Bills Payable Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
				2016			
	To Cash		44,500	April 1	By Balance b/d		25,000
					By Sundry Creditors		
2017					(Bills accepted)		54,500
March 31	To Balance c/d		35,000		*(Balancing Figure)*		
			79,500				79,500

Dr. Total Creditors Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
				2016			
	To Cash		1,51,000	April 1	By Balance b/d		30,000
	To Purchases Return		6,000		By Credit Purchases		
	To Bills Payable		54,500		*(Balancing Figure)*		2,01,500
2017							
March 31	To Balance c/d		20,000				
			2,31,500				2,31,500

कुल क्रय = नकद क्रय + उधार क्रय अतः कुल क्रय = 1,29,000 + 2,01,500 = ₹3,30,500.

प्रश्न 18 निम्न सूचनाएँ दी गई हैं:

	रुपये
आरंभिक लेनदार	60,000
लेनदारों को रोकड़ भुगतान	30,000
अंतिम लेनदार	36,000
विक्रय वापसी	13,000
परिपक्य विपत्र	27,000
विपत्र अनाहत	8,000
क्रय' वापसी	12,000
बट्टा दिया	5,000
वर्ष के दौरान उधार क्रय की गणना करें।	60,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Dr. Total Creditors Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Cash		30,000		By Balance b/d		60,000
	To Purchases Return		12,000		By Bills Payable		
	To Bills Payable		27,000		(dishonoured)		8,000
	(accepted)				By Credit Purchases		
	To Balance c/d		36,000		*(Balancing Figure)*		37,000
			1,05,000				1,05,000

अत: उधार क्रय = ₹37,000. नोट: परिपक्व विपत्र को स्वीकृत विपत्र माना गया है।

प्रश्न 19 निम्न में से वर्ष के दौरान स्वीकृत विपत्र की राशि की गणना करें:

	रुपये
01 अप्रैल, 2016 को देय विपत्र	1,80,000
31 मार्च, 2017 को देय विपत्र	2,20,000
वर्ष के दौरान अनाहत देय विपत्र	28,000
वर्ष के दौरान परिपक्व देय विपत्र	50,000

उत्तर –

Dr. Total Bills Payable Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
				2016			
	To Bank (bills matured)		50,000	April 1	By Balance b/d		1,80,000
	To Sundry Creditors		28,000		By Sundry Creditors		
	(bills dishonoured)				(Bills accepted)		1,18,000
2017					*(Balancing Figure)*		
March 31	To Balance c/d		2,20,000				
			2,98,000				2,98,000

अत: वर्ष के दौरान स्वीकृत विपत्र = ₹ 1,18,000.

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 20 नीचे दी गई सूचनाओं से वर्ष के दौरान परिपक्व विपत्र की राशि ज्ञात करें देय विपत्र अनाद्रत

देय विपत्र अनाद्दत	37,000
देय विपत्र का अंतिम शेष	85,000
देय विपत्र का आरंभिक शेष	70,000
स्वीकृत देय विपत्र	90,000
चेक अनाद्दत	23,000

उत्तर –

Dr. Total Bills Payable Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Bank (Bills matured) *(Balancing Figure)*		38,000		By Balance b/d		70,000
	To Sundry Creditors (bills dishonoured)		37,000		By Sundry Creditors (Bills accepted)		90,000
	To Balance c/d		85,000				
			1,60,000				1,60,000

अतः वर्ष के दौरान परिपक्व विपत्र की राशि = ₹ 38,000.

प्रश्न 21 निम्न से कुल लेनदार खाता बनायें एवं अज्ञात संख्या को ज्ञात करें:

	(रुपये)
स्वीकृत विपत्र	1,05,000
प्राप्त बट्टा	17,000
क्रय वापसी.	9,000
विक्रय वापसी	12,000
देय खातों को रोकड़ भुगतान	50,000
प्राप्य विपत्र का लेनदारों को हस्तांतरण	45,000
अनाद्दत विपत्र	17,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

डूबत ऋण	14,000
देय खातों का शेष (अंतिम)	85,000
उधार क्रय	2,15,000

उत्तर –

Dr. **Total Creditors Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Bills Payable (accepted)		1,05,000		By Balance b/d *(Balancing Figure)*		79,000
	To Discount Received		17,000		By Credit Purchases		2,15,000
	To Purchases Return		9,000		By Bills Payable (dishonoured)		17,000
	To Cash		50,000				
	To B/R endorsed		45,000				
	To Balance c/d		85,000				
			3,11,000				3,11,000

अतः लेनदारों का आरम्भिक शेष = ₹ 79,000.

प्रश्न 22 वर्ष के दौरान प्राप्य बिल की राशि की गणना करें:

	(रुपये)
प्राप्य विपत्रों का आरंभिक शेष	75,000
अनादृत विपत्र	25,000
प्राप्य बिल (परिपक्व)	1,30,000
प्राप्य विपत्रों का लेनदारों को हस्तांतरण	15,000
प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	65,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Total Bills Receivable Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Balance b/d		75,000		By Cash (bills honoured)		1,30,000
	To Sundry Debtors (B/R received) *(Balancing Figure)*		1,60,000		By Sundry Debtors (bills dishonoured)		25,000
					By Sundry Creditors (B/R endorsed)		15,000
					By Balance c/d		65,000
			2,35,000				2,35,000

अतः वर्ष के दौरान प्राप्य बिल की राशि = ₹ 1,60,000.

प्रश्न 23 निम्न सूचनाओं से अनाहत प्राप्य विपत्र की राशि की गणना करें: ‘

प्राप्य विपत्रों का आरंभिक शेष	(रुपये)
प्राप्य विपत्र (परिपक्व)	1,20,000
प्राप्य विपत्रों को हस्तांतरण	1,85,000
प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	22,800
प्राप्त प्राष्य विपत्र	50,700

उत्तर –

Dr. Total Bills Receivable Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Balance b/d		1,20,000		By Cash (Bills honoured)		1,85,000
	To Sundry Debtors (B/R received)		1,50,000		By Sundry Creditors (B/R endorsed)		22,800
					By Sundry Debtors (B/R dishonoured) *(Balancing Figure)*		11,500
					By Balance c/d		50,700
			2,70,000				2,70,000

अतः अनाहत प्राप्य विपत्र की राशि = ₹ 11,500.

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 24 नीचे दिये गये विवरण से उधार विक्रय व कुल विक्रय ज्ञात करें:

आरंभिक देनदार	(रुपये)
अंतिम देनदार	45,000
बट्टा दिया	56,000
विक्रय वापसी	2,500
अप्राप्य राशि	8,500
प्राप्त प्राप्य विपत्र	4,000
अनाहत प्राप्य विपत्र	12,000
अनाहत चैक	3,000
(नकद) रोकड़ विक्रय	7,700
देनदारीं से प्राप्त रोकड़	80,000
देनदारों से प्राप्त चैक	2,30,000

उत्तर –

Dr. Total Debtors Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Balance b/d		45,000		By Sales Return		8,500
	To Bills Receivable (dishonoured)		3,000		By Discount allowed		2,500
					By Cash		2,30,000
	To Bank (Cheques dishonoured)		7,700		By Bank		25,000
					By Bad Debts		4,000
	To Sales (Credit) *(Balancing Figure)*		2,82,300		By Bills Receivable		12,000
					By Balance c/d		56,000
			3,38,000				3,38,000

अत: उधार विक्रय = ₹ 2,82,300.

एवं कुल विक्रय = उधार विक्रय + नकद विक्रय

= 2,82,300 + 80,000 = ₹ 3,62,300.

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

प्रश्न 25 निम्न सूचनाओं से 31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए प्राप्य विपत्र खाता एवं कुल देनदार खांता बनायें:

देनदारों का आरंभिक शेष	रुपये
प्राप्य विपत्र का आरंभिक शेष	1,80,000
वर्ष के दौरान रोकड़ विक्रय	55,000
वर्ष के दौरान उधार विक्रय	95,000
विक्रय वापसी	14,50,000
देनदारों से प्राप्त रोकड़	78,000
देनदारों को बट्टा दिया	10,25,000
प्राप्य विपत्रों का लेनदारों को बेचान	55,000
प्राप्य रोकड़ (परिपक्व विपत्र)	60,000
अप्राप्य राशि	80,500
31 मार्च, 2017 को प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	10,000
देनदारों का आरंभिक शेष	75,500

उत्तर –

Dr. Total Bills Receivable Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016							
April 1	To Balance b/d		55,000		By Cash (Bills matured)		80,500
	To Sundry Debtors (B/R received) *(Balancing Figure)*		1,61,000		By Sundry Creditors (B/R endorsed)		60,000
				2017 Mar. 31	By Balance c/d		75,500
			2,16,000				2,16,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Total Debtors Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
2016							
April 1	To Balance b/d		1,80,000		By Sales Return		78,000
	To Sales (Credit)		14,50,000		By Cash		10,25,000
					By Discount Allowed		55,000
					By Bad Debts		10,000
					By Bills Receivable		1,61,000
				2017			
				Mar. 31	By Balance c/d *(Balancing Figure)*		3,01,000
			16,30,000				16,30,000

प्रश्न 26 संबंधित खाता बनाते हुये लुप्त राशि को ज्ञात करें।

देनदारों का आरंभिक शेष	रुपये
प्राप्य विपंत्रों का आरंभिक शेष	14,00,000
प्राप्य विपत्रों का अंतिम शेष	7,00,000
चैक अनाहत	3,50,000
देनदारों से प्राप्त रोकड़	27,000
चैक प्राप्त किये एवं बैंक में जमा कराये	10,75,000
बट्टा दिया	8,25,000
अप्राप्य राशि	37,500
विक्रय वापसी	17,500
ग्राहकों से प्राप्त प्राप्य विपत्र	28,000
परिपक्व प्राप्य विपत्र	1,05,000
छूट पर विपत्र	2,80,000
लेनदारों को विपत्र का हस्तांतरण	65,000

उत्तर –

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. **Total Debtors Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Balance b/d		14,00,000		By Cash		10,75,000
	To Bank (Cheque dishonoured)		27,000		By Bank		8,25,000
					By Discount Allowed		37,500
	To Bills Receivable (Dishonoured)		40,000		By Bad Debts		17,500
					By Sales Returns		28,000
	To Sales (Credit) *(Balancing Figure)*		6,21,000		By Bills Receivable		1,05,000
			20,88,000				20,88,000

Dr. **Total Bills Receivable Account** **Cr.**

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Balance b/d		7,00,000		By Cash (B/R Matured)		2,80,000
	To Sundry Debtors (B/R Received)		1,05,000		By Bank (B/R discounted)		65,000
					By Sundry Creditors (B/R Endorsed)		70,000
					By Sundry Debtors (B/R dishonoured) *(Balancing Figure)*		40,000
					By Balance c/d		3,50,000
			8,05,000				8,05,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

प्रश्न 27 निम्न सूचनाओं से विविध देनदारों का आरंभिक शेष एवं विविध लेनदारों के अंतिम शेष का निर्धारण करें:

आरंभिक रहतिया	रुपये
अंतिम रहतिया	30,000
आरंभिक लेनदार	25,000
अंतिम देनदार	50,000
लेनदारों से प्राप्त बट्टा	75,000
ग्राहकों को बट्टा दिया	1,500

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

लेनदारों को रोकड़ भुगतान	2,500
वर्ष के दौरान स्वीकृत देय विपत्र	1,35,000
वर्ष के दौरान प्राप्त प्राप्य विपत्र	30,000
ग्राहकों से रोकड़ प्राप्ति	75,000
अनाहत प्राप्य विपत्र	2,20,000
क्रय	3,500

विक्रय मूल्य पर सकल लाभ की दर 25% एवं कुल विक्रय में से 85,000 रुपये नकद विक्रय है।

उत्तर –

Dr. Total Debtors Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Balance b/d *(Balancing Figure)*		54,000		By Bills Receivable		75,000
	To Bills Receivable (dishonoured)		3,500		By Cash		2,20,000
	To Sales (Credit) (4,00,000 – 85,000)		3,15,000		By Discount Allowed		2,500
					By Balance c/d		75,000
			3,72,500				3,72,500

Dr. Total Creditors Account Cr.

Date	Particulars	J. F.	Amount ₹	Date	Particulars	J. F.	Amount ₹
	To Discount Received		1,500		By Balance b/d		50,000
	To Cash		1,35,000		By Purchases		2,95,000
	To Bills Payable (Bills accepted)		30,000				
	To Balance c/d *(Balancing Figure)*		1,78,500				
			3,45,000				3,45,000

Working Note : Calculation of Credit Sales :

SHIVOM CLASSES 8696609541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Dr. Trading Account Cr.

	₹		₹
To Opening Stock	30,000	By Sales	
To Purchases	2,95,000	*(Balancing Figure)*	4,00,000
To Gross Profit (25% on Sales or 1/3 on Cost)	1,00,000	By Closing Stock	25,000
	4,25,000		4,25,000

प्रश्न 28 श्रीमती भावना एकल प्रविष्टि प्रणाली से अपनी पुस्तकें रखती हैं।31 मार्च, 2017 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये उनके व्यापार के अंतिम खाते तैयार करें।इस सत्र के लिए रोकड़ प्राप्ति व रोकड़ भुगतान के उनके प्रलेखों का विवरण निम्न है:

नाम रोकड़ पुस्तक सारांश जमा

प्राप्तियाँ	राशि (₹)	भुगतान	राशि (₹)
रोकड़ का आरंभिक शेष	12,000	लेनदारों को भुगतान	53,000
अतिरिक्त पूँजी	20,000	व्यापारिक व्यय	12,000
देनदारों से प्राप्तियाँ	1,20,000	मजदूरी का भुगतान	30,000
		आहरण	15,000
		31 मार्च, 2017 को बैंक शेष	35,000
		हस्तस्थ रोकड़	7,000
	1,52,000		1,52,000

अन्य सूचनाएँ:

	01 अप्रैल, 2016 रुपये	31 मार्च, 2017 रुपये
देनदार	55,000	85, 0 0 0
लेनदार	22,000	29,000
स्टॉक	35,000	70,000
संयंत्र	10,00,000	1,00,000
मशीनी	50,000	50,000
भूमि व भवन	2,50,000	2,50,000
विनियोग	20,000	20,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

उत्तर –

Books of Smt. Bhavana
Trading and Profit & Loss Account
for the year ended March 31, 2017

Dr. **Cr.**

Particulars		Amount ₹	Particulars	Amount ₹
To Opening Stock		35,000	By Sales	1,50,000
To Purchases		60,000	By Closing Stock	70,000
To Wages		30,000		
To Gross Profit c/d		95,000		
		2,20,000		2,20,000
To Business Expenses		12,000	By Gross Profit b/d	95,000
To Provision for Bad debts (5% of 85,000)		4,250		
To Depreciation :				
On Plant (10% of 1,00,000)	10,000			
On Building (10% of 2,50,000)	25,000			
On Machinery (5% of 50,000)	2,500	37,500		
To Net Profit transferred to Capital a/c		41,250		
		95,000		95,000

Balance Sheet as on March 31, 2017

Liabilities		Amount ₹	Assets		Amount ₹
Creditors		29,000	Cash in Hand		7,000
Capital	5,00,000		Cash at Bank		35,000
Add : Net Profit	41,250		Debtors	85,000	
Add : Additional Capital	20,000		*Less* : Provision	(4,250)	80,750
	5,61,250		Investment		20,000
Less : Drawings	(15,000)	5,46,250	Stock		70,000
			Plant	1,00,000	
			Less : Depreciation	(10,000)	90,000
			Land & Building	2,50,000	
			Less : Depreciation	(25,000)	2,25,000
			Machinery	50,000	
			Less : Depreciation	(2,500)	47,500
		5,75,250			5,75,250

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)

Working Notes :

1. उधार बिक्री ज्ञात करना—

Dr. **Total Debtors Account** **Cr.**

Particulars	₹	Particulars	₹
To Balance b/d	55,000	By Cash a/c	1,20,000
To Credit Sales *(Balancing Figure)*	1,50,000	By Balance c/d	85,000
	2,05,000		2,05,000

2. उधार क्रय ज्ञात करना—

Dr. **Total Creditors Account** **Cr.**

Particulars	₹	Particulars	₹
To Cash	53,000	By Balance b/d	22,000
To Balance c/d	29,000	By Credit Purchases *(Bal. Figure)*	60,000
	82,000		82,000

3. प्रारम्भिक पूँजी ज्ञात करना—

Statement of Affairs as on April 1, 2016

	₹		₹
Creditors	22,000	Cash	12,000
Capital *(Bal. Figure)*	5,00,000	Debtors	55,000
		Stock	35,000
		Plant	1,00,000
		Machinery	50,000
		Land & Building	2,50,000
		Investment	20,000
	5,22,000		5,22,000

SHIVOM CLASSES 8696608541

SHIVOM CLASSES - WhatsApp for Notes (8696608541)